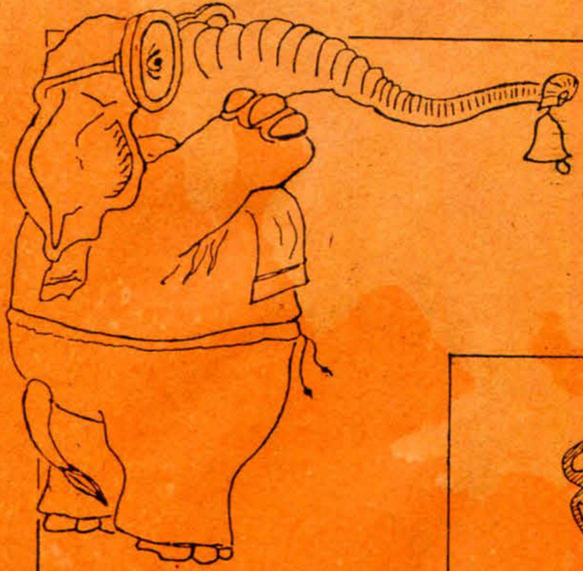

खुशी खुशी

विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र
पुस्तकालय
क्रमांक.........
दिनांक.......
उदयपुर (राज.)

कक्षा २

Vidya Bhawan
Udaipur

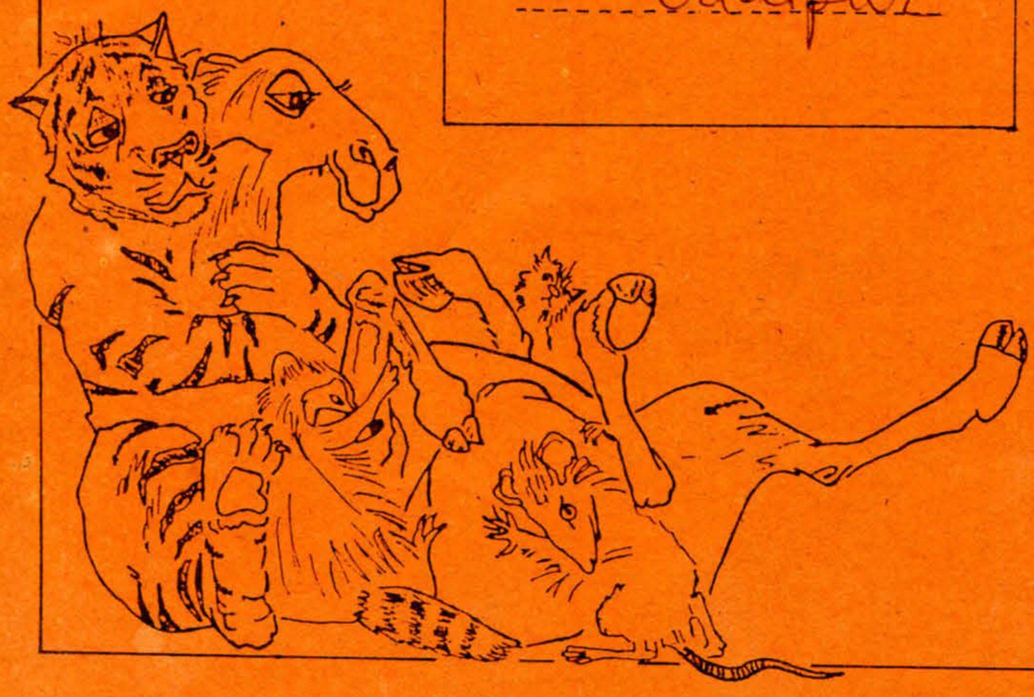

मेरी चित्र अलबम

मैं

मेरी सहेली

मेरे मास्साब/मेरी बहनजी

मेरा दोस्त

माँ

मध्यप्रदेश शासन के आदेश क्रमांक 203/40/20-3/90 दिनाँक 2-2-90 के तहत चयनित शालाओं के लिए एकलव्य द्वारा तैयार यह शैक्षिक सामग्री, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा प्रकाशित एवं राजकमल आफसेट प्रिंटर्स, भोपाल द्वारा मुद्रित।

ऊँट चला

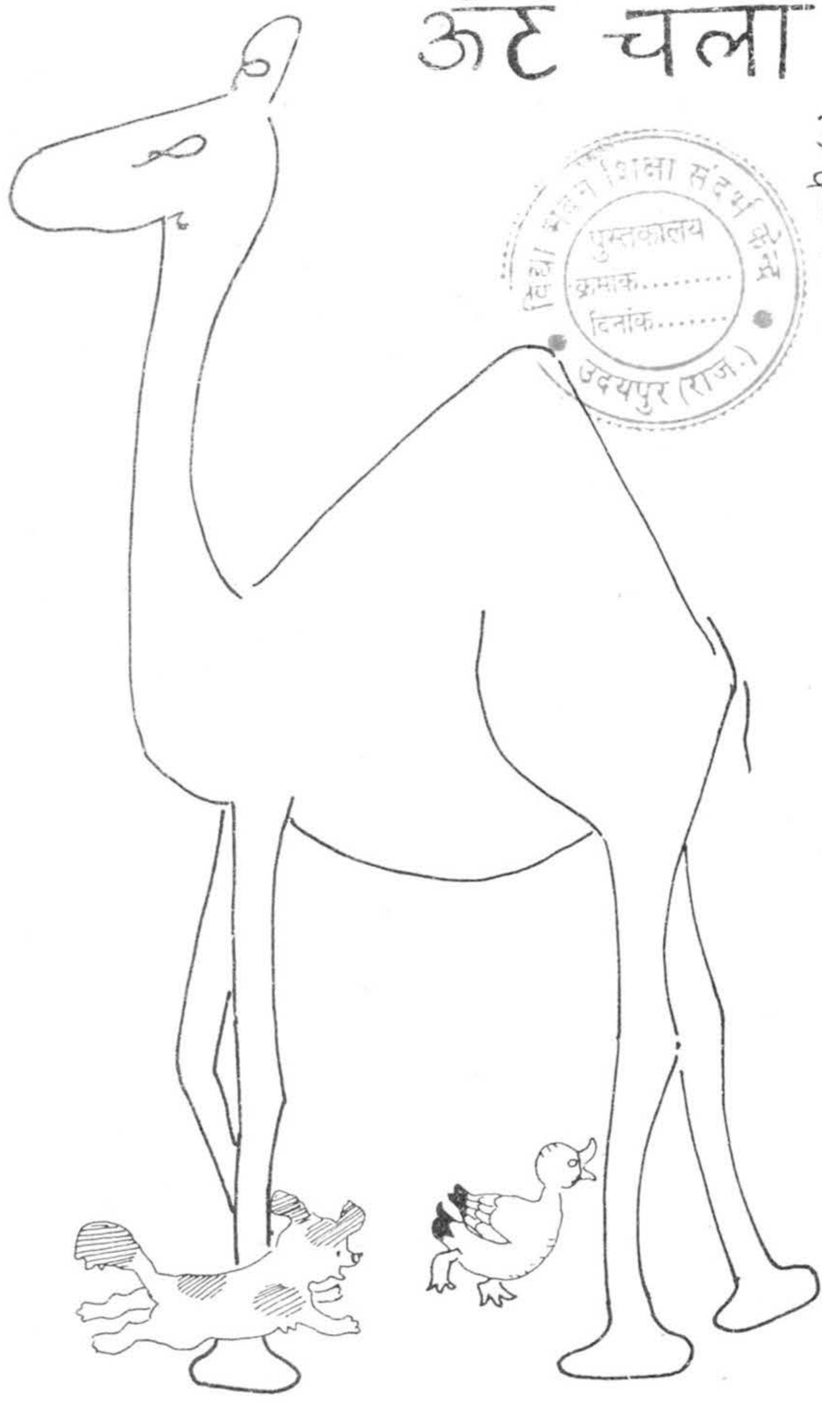

विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र
पुस्तकालय
क्रमांक........
दिनांक........
उदयपुर (राज.)

ऊँट चला, भई! ऊँट चला
हिलता डुलता ऊँट चला
इतना ऊचा ऊँट चला
ऊँट चला, भई! ऊँट चला।

ऊँची गरदन, ऊँची पीठ।
पीठ उठाये ऊँट चला।

बालू है, तो होने दो,
बोझ ऊँट को ढोने दो।
नहीं फँसेगा बालू में —
बालू में भी ऊँट चला।

जब थककर बैठेगा ऊँट
किस करवट बैठेगा ऊँट?

बता सकेगा कौन भला!
ऊँट चला, भई! ऊँट चला।

- *ऊँट से ऊँची चीजों के नाम पर गोला लगाओ—*

  कुत्ता शाला बिल्ली पहाड़ भैंस ताड़
  हाथी चूहा साइकिल खंभा

- *ऊंट के नीचे से क्या-क्या निकल सकता है?*
- *ऊँट के ऊपर से क्या-क्या निकल सकता है?*

(कविता प्रयाग शुक्ल की है।)

अलग निकालो

कौआ, मोर, इमली, तोता
बिना पंख के कौन होता ?

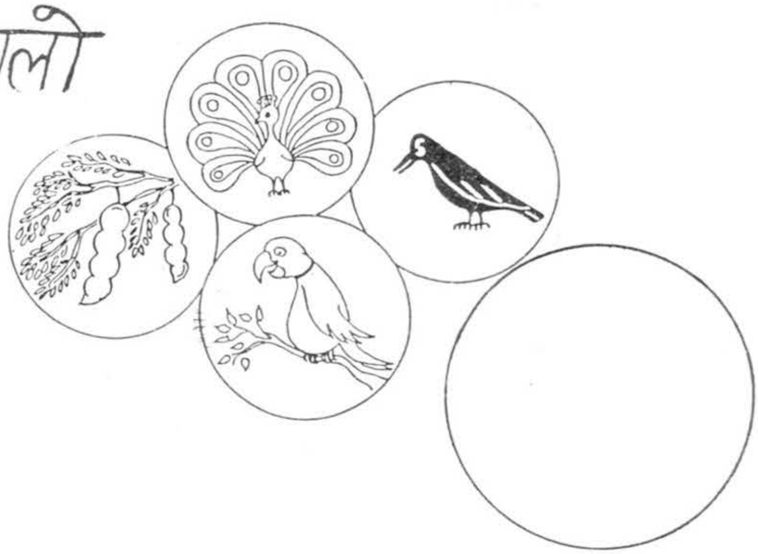

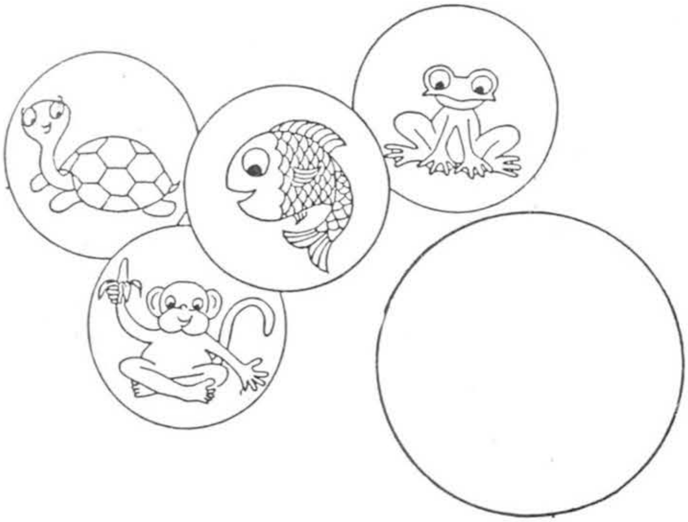

मछली, कछुआ, मेंढक, बन्दर
कौन नही पानी के अन्दर ?

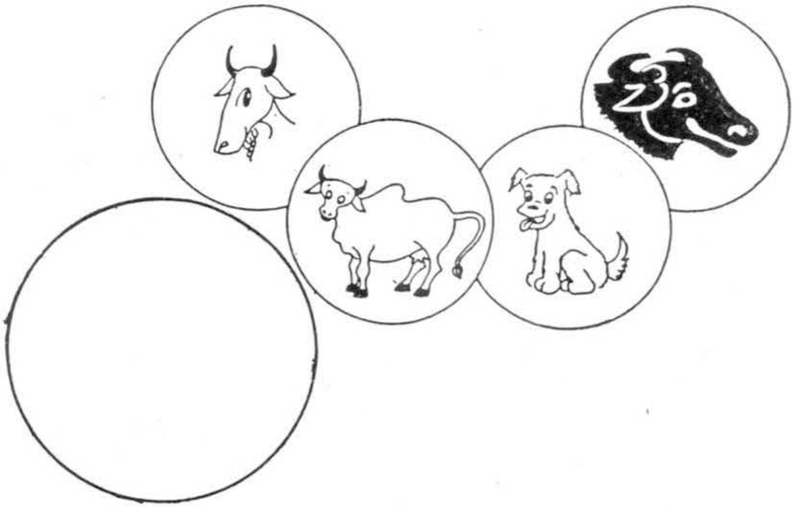

भैंस, बकरी, कुत्ता, गाय
ऐसा कौन जो घास न खाय ?

डाल	डाला	पत्ता	पत्तल	पकता
निकाल	निकाला	पकड़	पड़ता	पहाड़

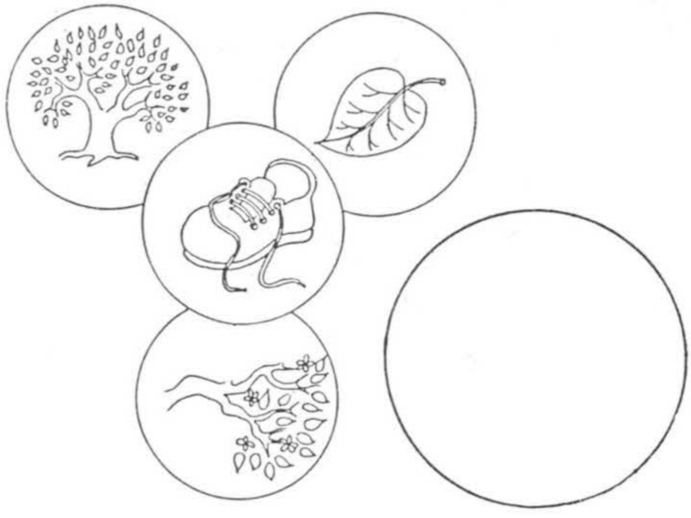

पेड़, पत्ता, जूता, डाल
इनमें से एक अलग निकाल

- सभी झुंड के पास बने खाली गोले में, झुंड से अलग चीज का चित्र बनाओ।
- हर चित्र के पास उसका नाम लिखो।
- चित्रकार्ड या बाहर से सामग्री लाकर और ऐसी पहेलियां बनाओ।

अलग करो और नाम लिखो।

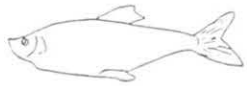

चार पैर वाले	पानी में रहने वाले	उड़ने वाले

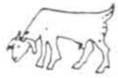

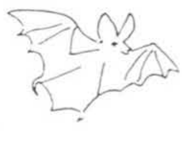

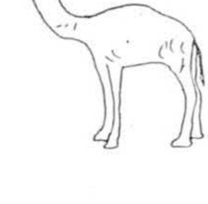

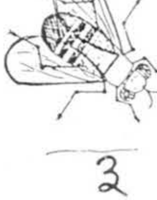

तितली और घर

• हर खाली घर में एक तितली बनाओ।

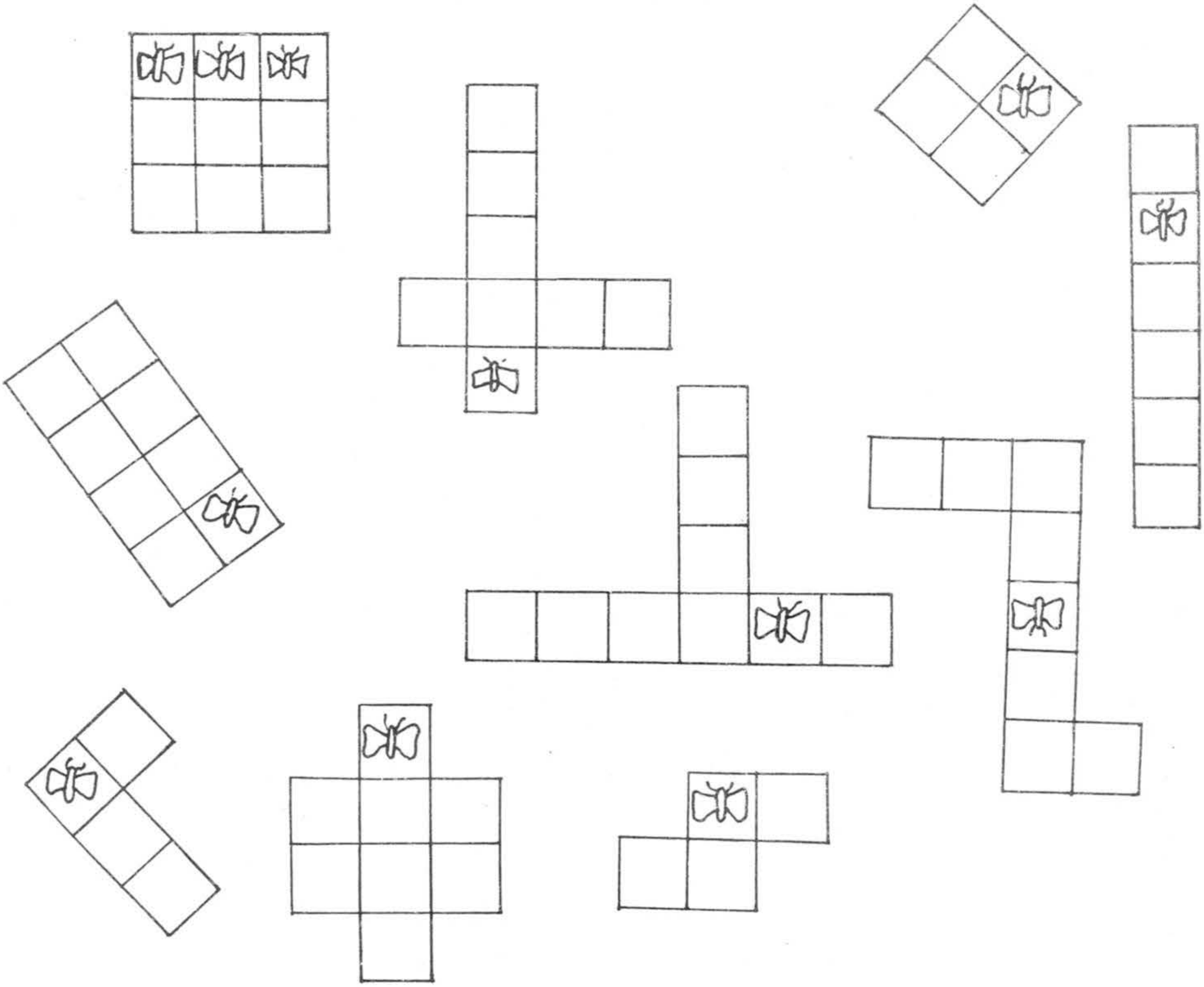

• ऊपर बने चित्रों में घर गिनो। सबसे ज्यादा घर वाले चित्रों में पीला रंग करो।

• सबसे कम घर वाले चित्रों में हरा रंग भरो।

• आठ घर वाले कितने चित्र हैं? ---- • चार घर वाले --- चित्र हैं।

• कौनसी आकृति सबसे बड़ी है? पट्टी पर या धूल में ऐसी और भी आकृतियाँ बनाओ। उनमें कंकड़ रखो।

मकड़ी - ककड़ी - लकड़ी

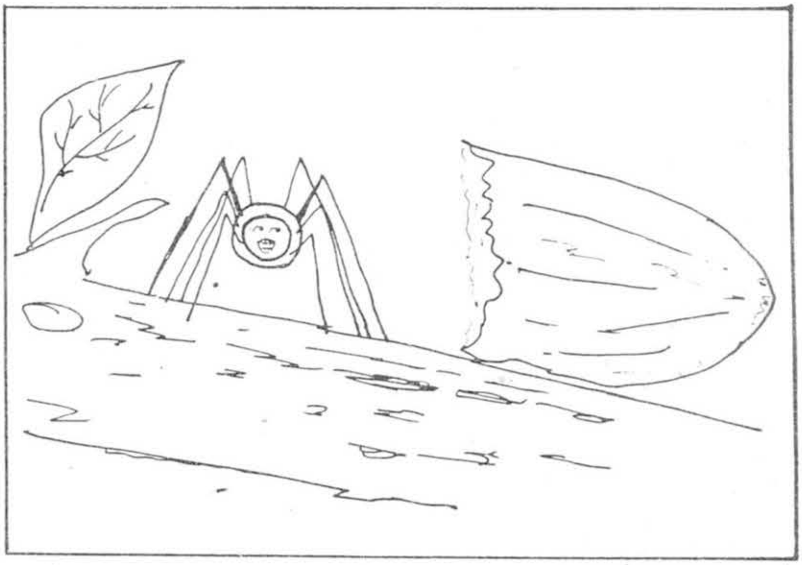

हमने तीन चीजें देखी
दादा तीन चीजें देखी
एक डाल पर थी इक मकड़ी
लकड़ी पर बैठी थी मकड़ी
मकड़ी खा रही थी ककड़ी
लकड़ी, मकड़ी, ककड़ी
मकड़ी, ककड़ी, लकड़ी
ककड़ी, लकड़ी, मकड़ी

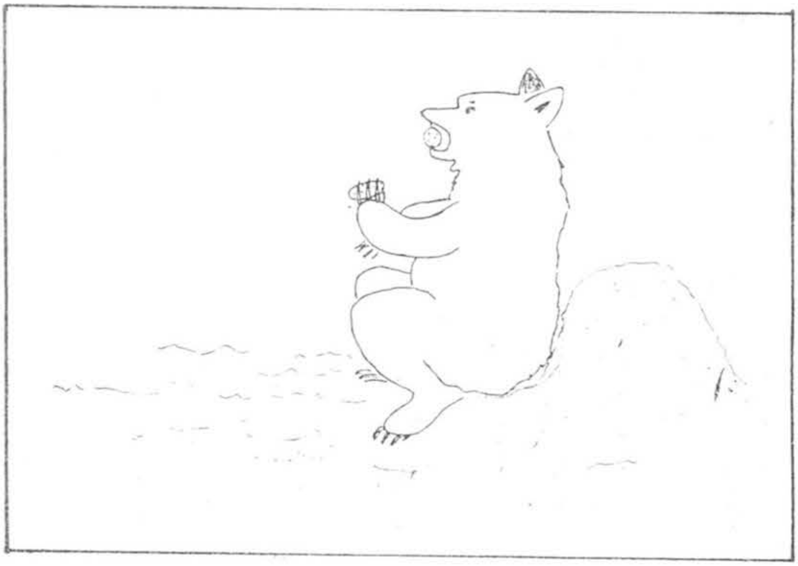

हमने तीन चीजें देखी
दादा तीन चीजें देखी
एक खेत में थी कुछ बालू
बालू पर बैठा था भालू
भालू खा रहा था आलू
बालू, भालू, आलू
भालू, आलू, बालू
आलू, बालू, भालू

- खाली जगह में कविता के चित्र बनाओ।

आलू	आला
भालू	भाला
बालू	बाला

- टिल्लू ककड़ी खा रहा है।
- सूरता ककड़ी ---- ----।
- टिल्लू ने ककड़ी खाई।
- सूरता ने ---- ----।

मकड़ी	मकड़ियाँ
लकड़ी	लकड़ियाँ
ककड़ी	ककड़ियाँ

कविता गुरबचन सिंह की है।

• चित्र पूरा करो और नाम लिखो •

६
छह खिड़कियाँ

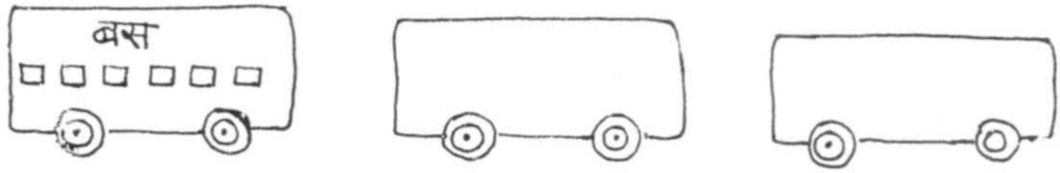

५
पाँच आम

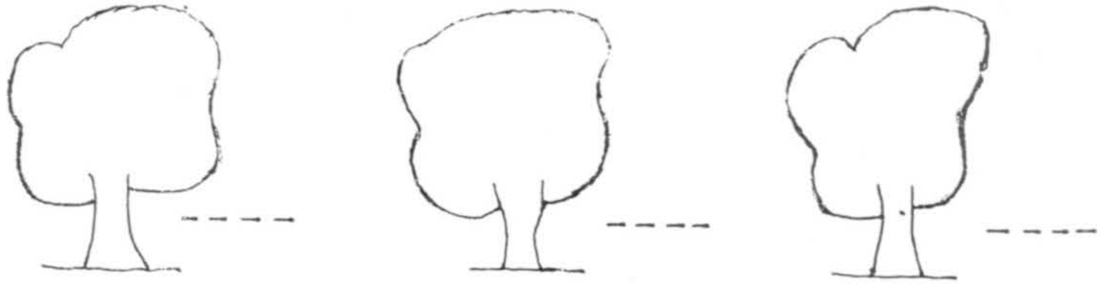

२
दो दरवाजे

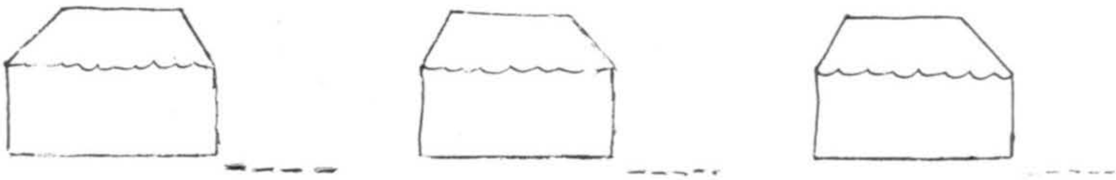

४
चार मछलियां।

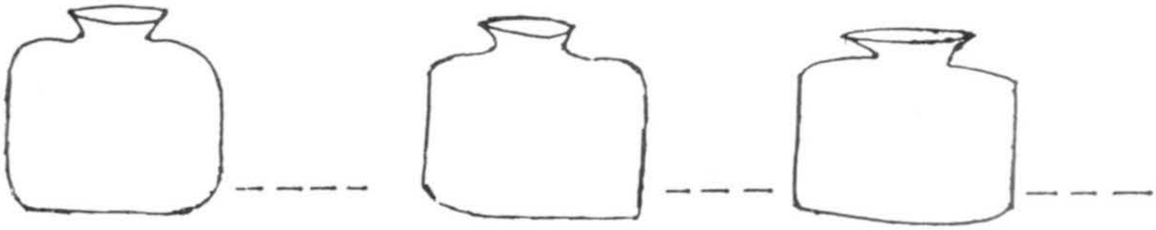

• बाहर से कंकड़ लाकर बनाई चीजों पर जमाओ।

• बस, खिड़की, आम, पेड़, घर, मछली, बोतल, दरवाजा

एक	अनेक
खिड़की	खिड़कियाँ
दरवाजा	-------
मछली	------
आम	------
लड़का	------
लड़की	------

छिपकली और चूहा

✧ किस ताक में ज्यादा बोतलें हैं? किस बोतल में सबसे ज्यादा चीजें हैं? बड़े चम्मच ज्यादा हैं कि छोटे चम्मच ? गिन कर बताओ ।

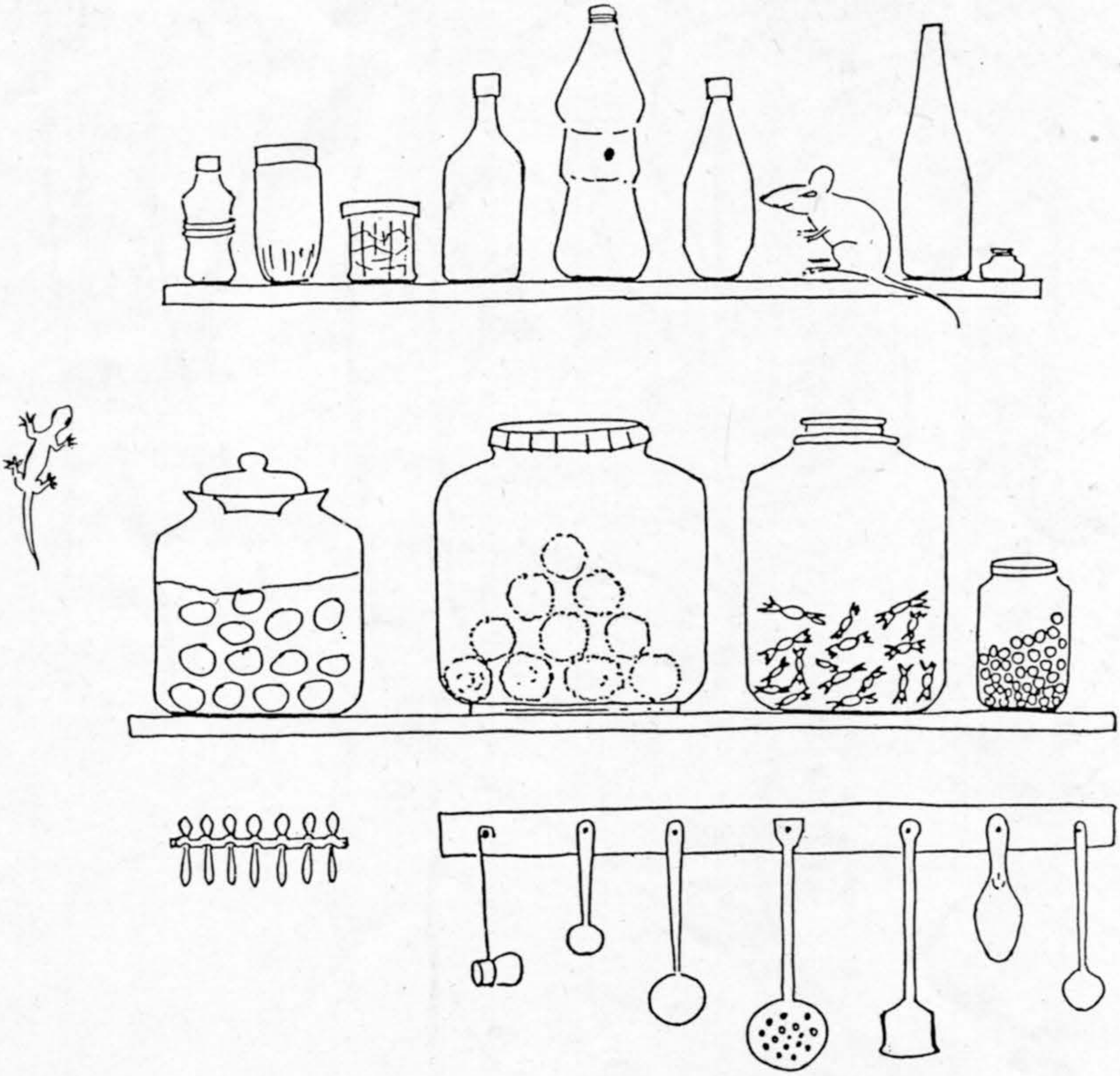

- दीवार पर क्या-क्या चीजें लटकी हैं? उनके नाम लिखो ।
- लम्बे पटिये पर ज्यादा चीजें हैं या छोटे पर ?
- लम्बे पटिये की चीजों के नाम लिखो । सबसे बड़ी चीज के नाम से शुरू कर के सबसे छोटी तक। पट्टी पर लिखो

पीली पतंग

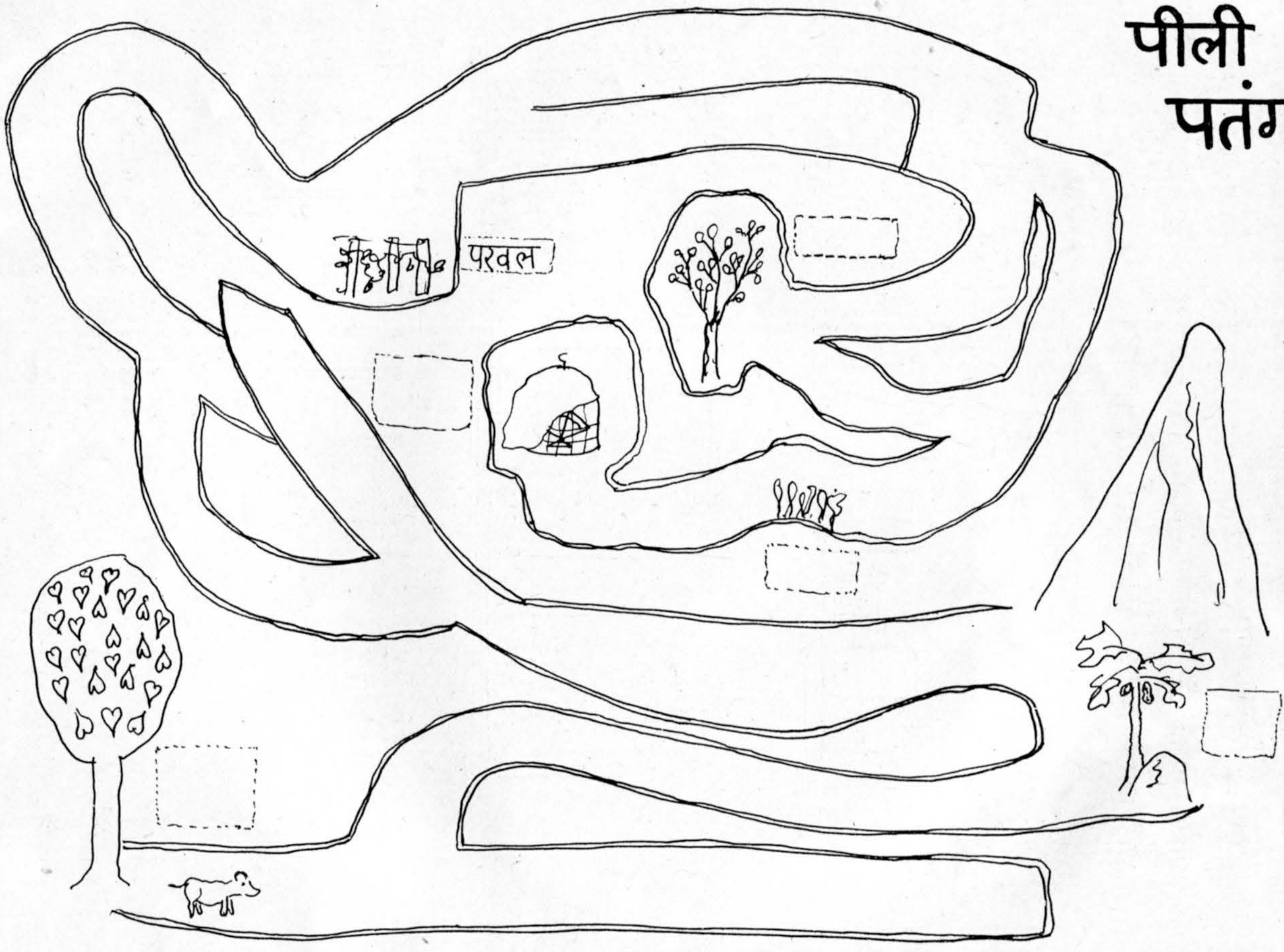

एक पीली पतंग और एक पिल्ले में बहुत दोस्ती थी। दोनों एक पीपल के पेड़ के नीचे रहते थे।

एक दिन अचानक आंधी आई। ज़ोर से हवा चली और पतंग उड़कर गायब हो गई। पिल्ले और पीपल ने पतंग को बहुत ढूंढा। पर पतंग कहीं नहीं मिली।

आखिर पीपल ने पिल्ले से कहा– उधर नीले पहाड़ के पास एक बड़ा सा पत्थर है। वहां एक पपीते का पेड़ है। शायद वो बता सके हमारी पतंग कहां है।

पिल्ला गया उस पपीते के पास। पपीते ने उसकी बात सुनकर कहा - एक-दो मोड़ के बाद मिलेगी एक परवल की बेल। उससे पता करो। तो पिल्ला गया परवल के पास। पर परवल ने कहा – आगे जाओ। मुझसे छोटा जो भी पौधा मिले, उससे पूछना।

पिल्ला आगे बढ़ा। कुछ दूर पर उसे पलाश का पेड़ मिला। लेकिन वो तो बहुत बड़ा था। इसलिये वो और आगे बढ़ा। थोड़ी देर में उसे दिखा एक पालक का गुच्छा।

पिल्ला बहुत खुश हुआ। उसे लगा कि उसकी प्यारी पतंग मिलने वाली है। पालक ने कहा – उधर देखो, एक पिंजरा है। पर वह पिंजरा परदे से ढंका हुआ है। तुम उसे अपने पंजों से नहीं हटा सकते, पैरों से नहीं हटा सकते। सिर्फ पूंछ से ही हटा सकते हो।

पिल्ला आगे बढ़ा। उसे वो परदे से ढंका पिंजरा दिखा। उसने झट अपनी पूंछ से परदा हटा दिया। और पता है उसने क्या देखा – अपनी पीली पतंग!

• *कहानी में "प" वाले शब्दों पर गोला लगाओ।*

बूझो मेरा नाम
बनाओ मेरा चित्र

दो चक्के वाली हूँ।
घंटी मेरी बजती टिन टिन।

मेरी लाल चोंच है।
हरे पंख हैं।

दोस्तों
के साथ
ये खेल खेलो।

लाल हूँ, गोल हूँ, मीठी हूँ।

सफेद हूँ, लंबी हूँ, लिखने के काम
आती हूँ।

चार पैर हैं, लकड़ी की
बनी हूँ, बैठने के काम आती हूँ।

पानी में रहता हूँ। कड़ी पीठ है।
धीरे-धीरे चलता हूँ।

खेल

बाहर से कंकड़ और चूड़ी के टुकड़े ले आओ। दोनों की अलग-अलग ढेरी बना लो। ५ कंकड़ निकालो। इनमें कितने चूड़ी के टुकड़े जोड़ें कि कुल ८ हो जायें?

३ चूड़ी के टुकड़े डालने पड़ेंगे। यह हुआ ८ का जोड़। क्या ऐसे और भी जोड़ बन सकते हैं?

अच्छा अब २ कंकड़ लो। इसमें ६ चूड़ी के टुकड़े डालो। जोड़ कितना हुआ?

कितनी तरह से जोड़ कर ८ बना सकते हो? तीन तरह से या चार तरह से या और भी ज्यादा? अलग-अलग संख्या में कंकड़ लो और चूड़ी के टुकड़े जोड़ कर ८ बनाओ और पट्टी पर लिखो

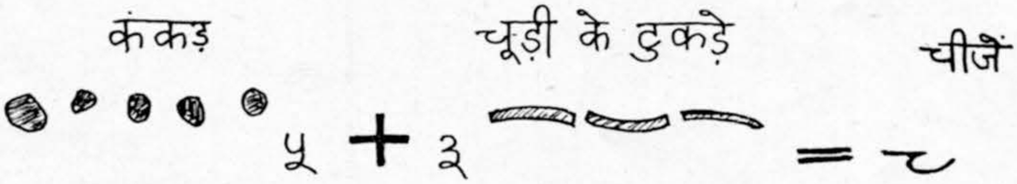

चूड़ी और कंकड़ से ९, ६, १२, १५ के लिये जोड़े बनाओ और अंकों में लिखो।

जैसे : ४ + ५ = ९

३ + ... = ९

• *और किन-किन चीजों से ये वाला खेल खेला जा सकता है? (जैसे- पत्ती, चिए, आदि) उन्हें लाकर इसी तरह के जोड़े बना कर खेलो।*

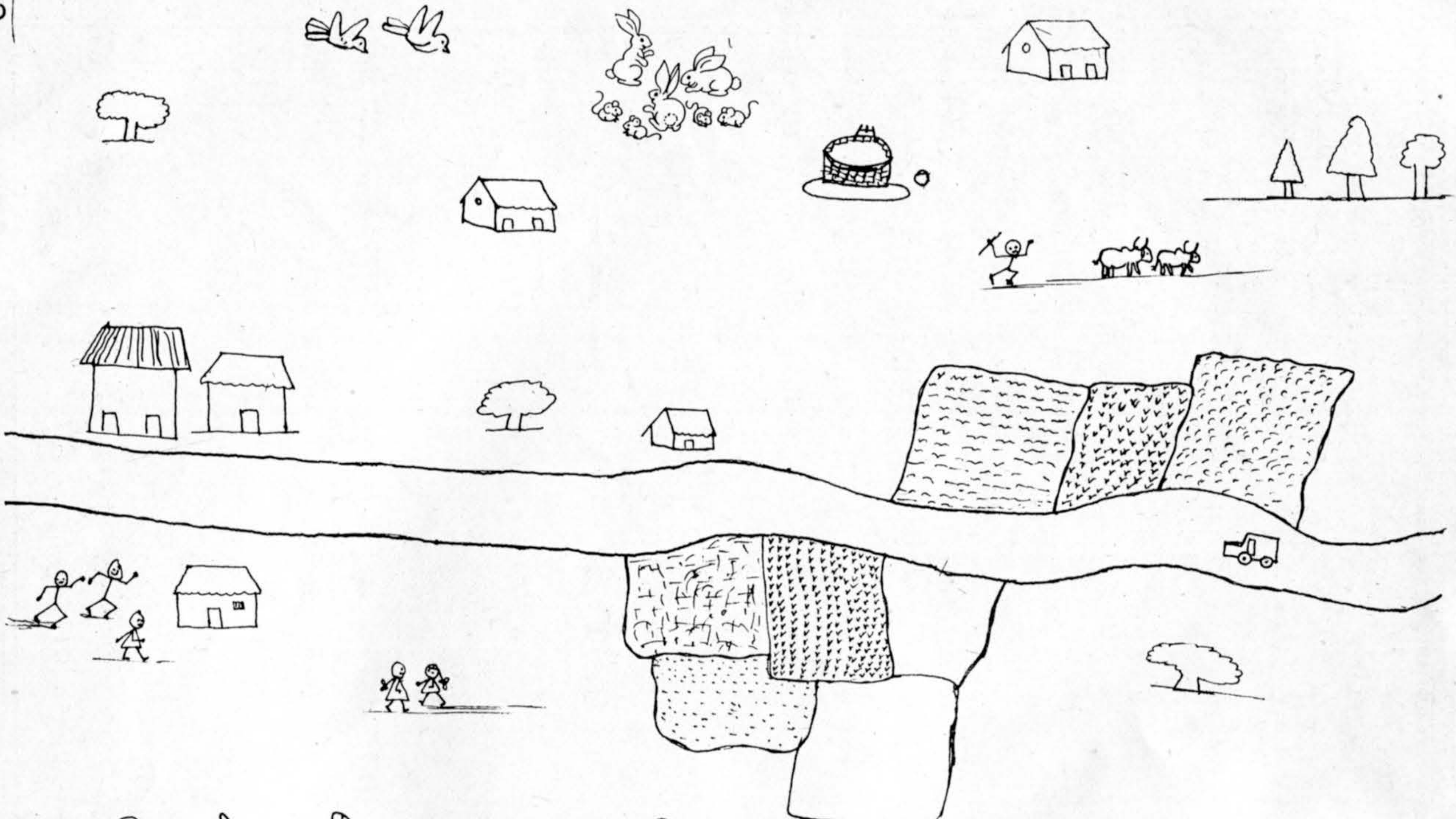

ऊपर चित्र में बनाओ
४ घर बनाओ ऐसे
३ चिड़िया ऐसी
सड़क पर ६ मोटर

५ पेड़ ऐसे
४ साइकिल ऐसी
• चित्र में सभी चीजों के नीचे उनके नाम लिखो
• चित्र में बाकी चीजों को भी गिनो और पट्टी पर लिखो

गिनो
कितने २ दरवाजे के घर हैं।
कितने ऐसे पेड़ हैं? और कितने खेत हैं

रास्ते

रास्ते पर चलकर सही चित्र के नीचे जोड़ लिखो।

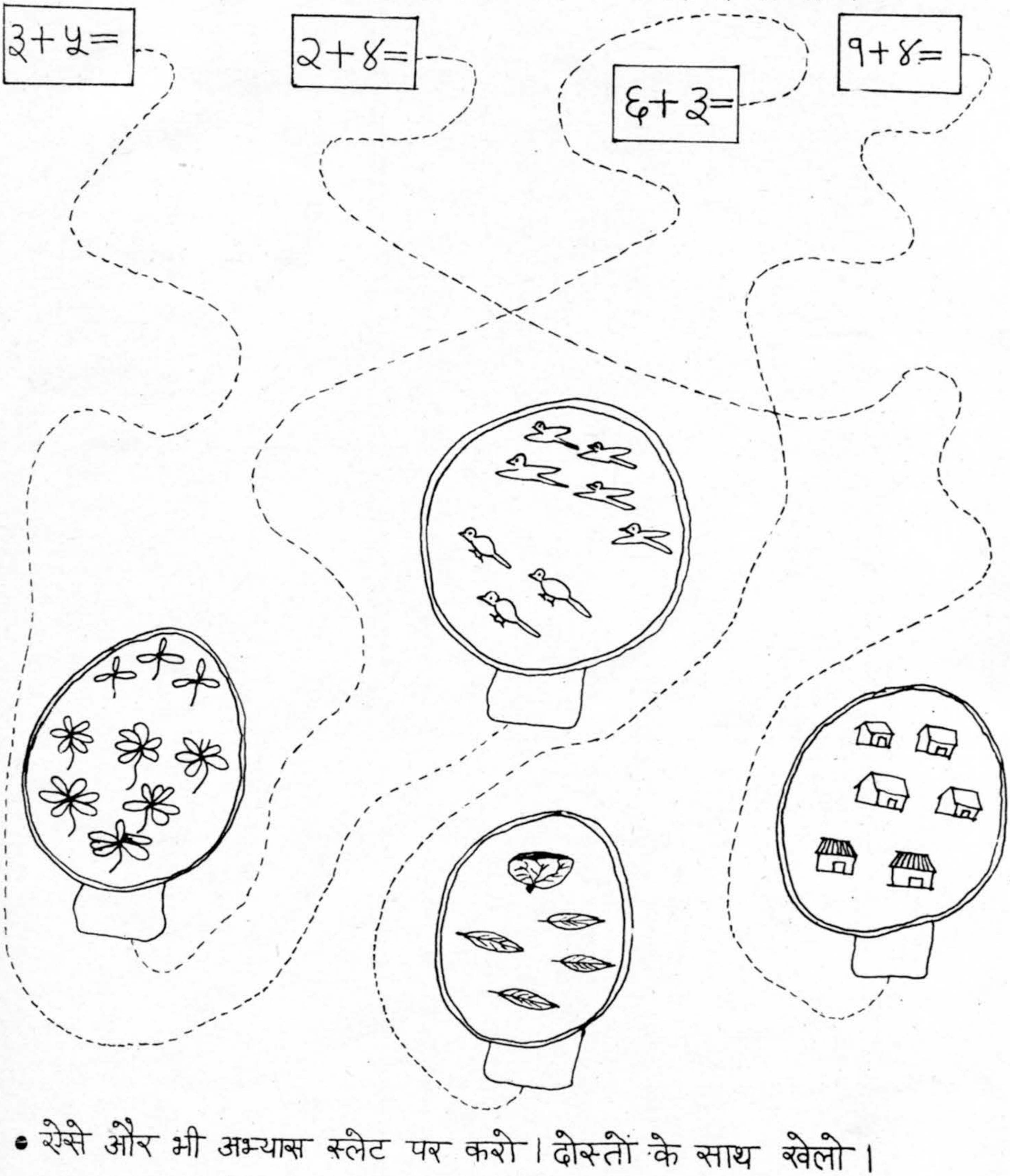

• ऐसे और भी अभ्यास स्लेट पर करो। दोस्तों के साथ खेलो।

शिकार

एक रात को कल्लू मल्लाह की नाव में बिल्ली छिपी बैठी थी। एक उल्लू उड़ कर आया और नाव के किनारे बैठ गया।

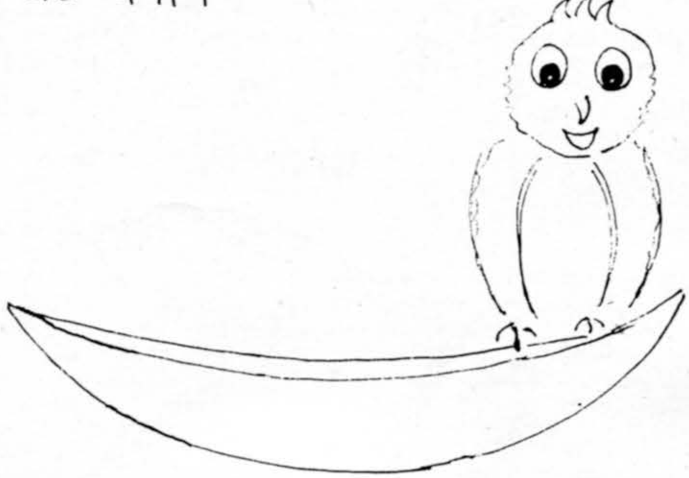

बिल्ली उस पर झपटी।

उल्लू उड़ गया और

बिल्ली पानी में जा गिरी।

• गया - गई खेलो

उल्लू उड़ गया।
कौआ उड़ गया।
टिल्लू उड़ गया।
चिड़िया उड़ गई।
हाथी उड़ ....।
चूहा उड़ ....।
बिल्ली उड़ ....।
मछली उड़ ....।

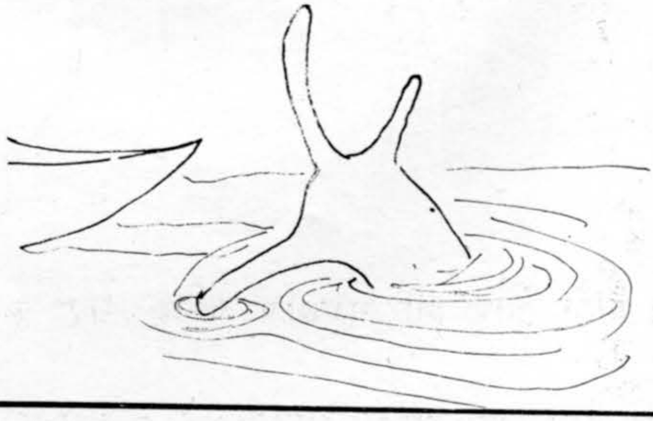

रूप्पा खेल

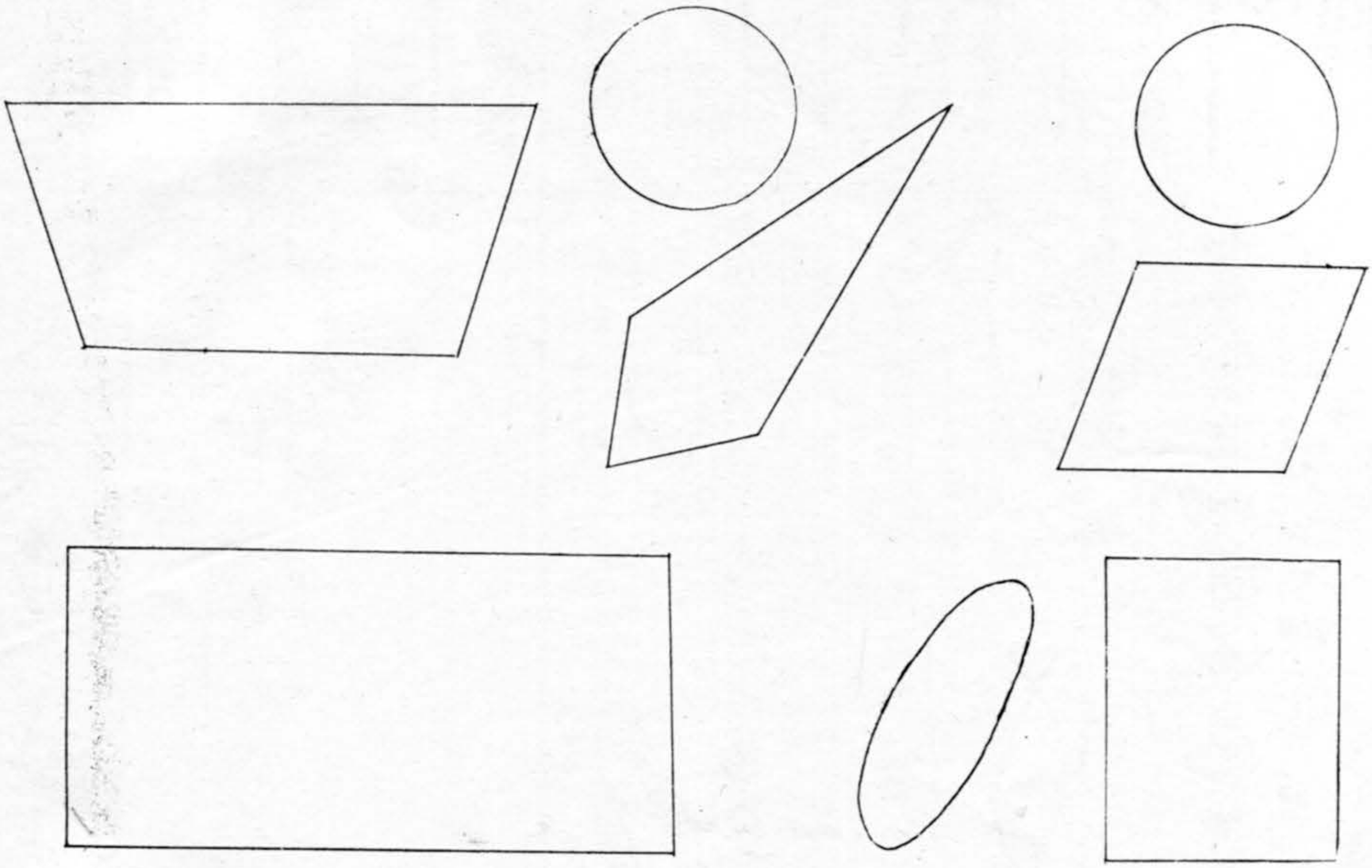

- क्या तुम ऊपर जैसी आकृतियां बना सकते हो? इन्हें रूप्पे घिस कर या कागज फाड़कर बनाओ। गीली मिट्टी से भी बना सकते हो।
- इनको जमाकर और नई आकृतियां बनाओ।

जैसे : 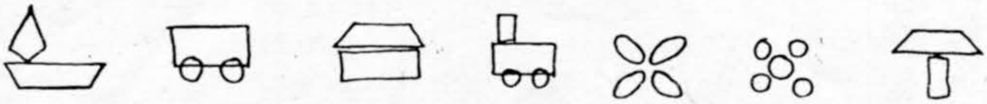

- बाहर से लकड़ी की काड़ियां या सीक बनाकर लाओ। इन सींकों को आकृतियों में जमाओ। सींकों से कई चीजें बनाओ।
- रेत, मिट्टी पर उंगली से ऐसी और भी आकृतियां बनाओ।
- तुमने जो चीजें बनाईं उनके नाम पट्टी पर लिखो।

नाम लिखो

हर एक चित्र का नाम छाटकर चित्र के नीचे लिखो। प से शुरू होने वाले नामों में पीला रंग भरो। म से शुरू होने वाले नामों में हरा रंग भरो।

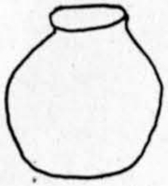
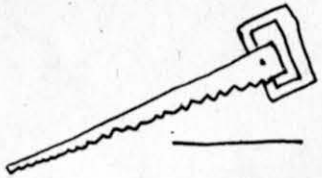
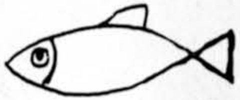
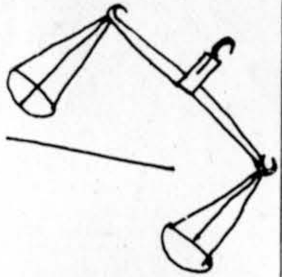
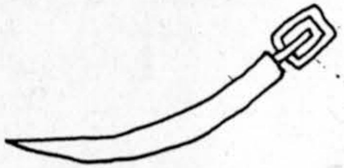

सूअर
पपीता सूरज तलवार
तराजू मटका
मछली
आम पतंग आरी

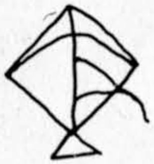
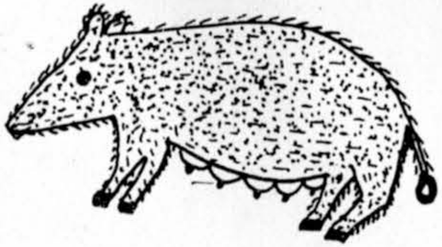
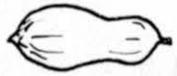
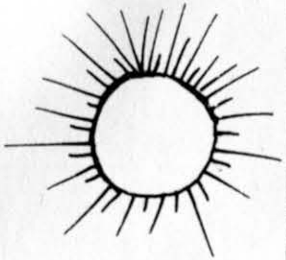

छांटकर लिखो
कौनसी चीज कहाँ

घर के अंदर

घर के बाहर

• पट्टी पर ऐसे और नाम लिखो जो छ, ग, ह, ख, से शुरू होते हैं।

जोड़ो और सही जोड़ी मिलाओ

१+२	४	२+२
८+१	७	६+३
२+३	६	२+१
३+१	८	४+१
५+२	९	६+१
२+४	५	३+३
७+१	३	४+४

और भी ऐसे जोड़े लिखो

४ + १ = ५

२ + ३ = ५

- बाहर से कंकड़ लाओ। बीच वाले गोलों पर उतने ही कंकड़ रखकर ढेरी बनाओ जितना उनपर अंक लिखा है।
- प्रत्येक ढेरी को कितनी तरह से दो हिस्सों में बांट सकते हो

सांप और बंदर

• *चित्र देखकर सही वाक्य पर निशान लगाओ। सही वाक्य पट्टी पर उतारो।*

बंदर ने लोटा उठाया।

बंदर ने गमला उठाया।

चूहे को गमले से ढक दिया।

सांप को गमले से ढक दिया

बंदर गमले पर शान से बैठा।

बंदर गमले पर खड़ा है।

सांप ने बंदर को काटा।

बंदर ने सांप को काटा।

बंदर हंस रहा है।

बंदर की पूंछ सूज गई।

• *पुस्तकालय की किताबों के चित्र देखो। चित्रों पर ऐसे ही एक सही, एक गलत वाक्य बनाओ और बोलो।*

पढ़ो, बनाओ और गिनो

छह चिड़ियाँ
६

बारह पत्तियाँ
१२

चौदह तिकोन
१४ △

सात गेंद
७

आठ फूल
८

सोलह चौकोर
१६ □

बीस पेड़
२०

दस चूहे
१० 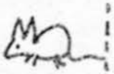

- पट्टी पर गिनकर और भी चीजें बनाओ। (जैसे ८ गिलास, ६ हाथी)
- बाहर से कंकड़, चूड़ी के टुकड़े, चिरु या कोई और छोटी-छोटी चीजें ले आओ। अपनी बनाई चीजों पर रखकर गिनती की जाँच करो।

घटाओ

पहला सवाल मैंने तुम्हारे लिए कर दिया है। बाकी तुम करो। ऐसे और भी सवाल करो। कंकड़, बीज व अन्य चीजों से इन सवालों को करो। दोस्तों के लिए ऐसे सवाल बनाओ और खेलो।

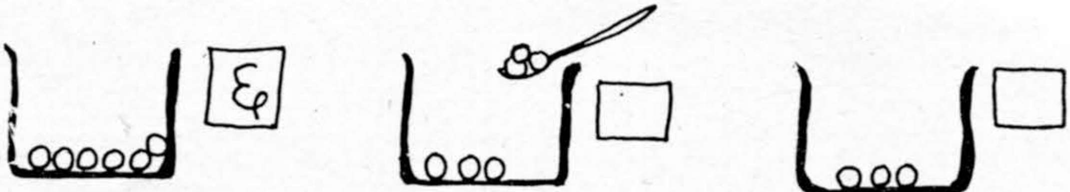

६ लड्डू में से ३ लड्डू निकाले तो बचे ३ ....

६
− ३
३

.... चिड़ियों में से ... चिड़ियाँ उड़ गईं तो बचीं ...

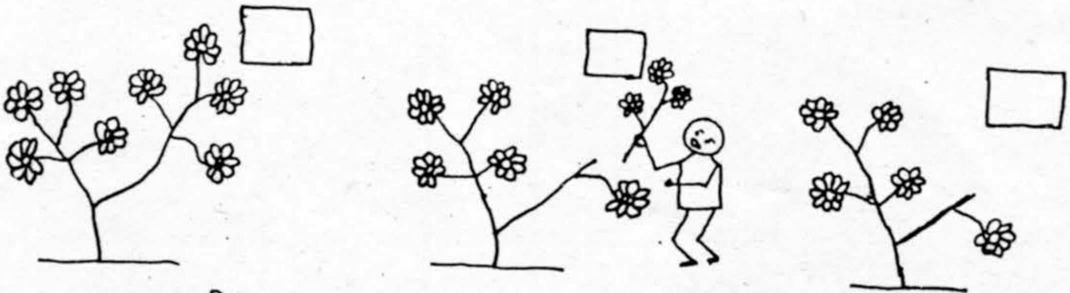

.... फूलों में से .... फूल तोड़ लिए तो बचे ...

४	७	६	८	७	८
− ३	− ५	− १	− ५	− ३	− २

छप्पर

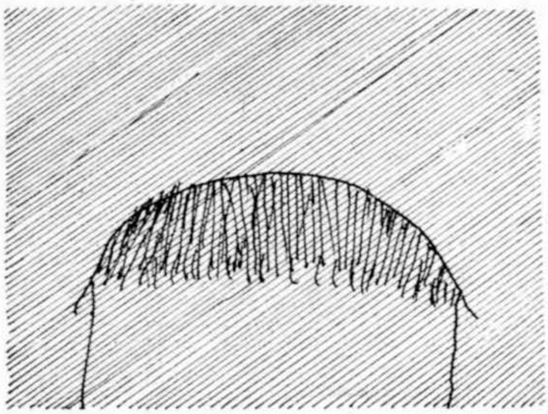

रात को नत्थू का छप्पर
चूने लगा।
घुप्प अंधेरा था।

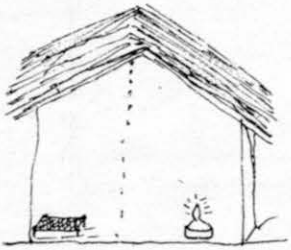

उसकी पत्नी ने चिमनी जलाई।
एक सप्ताह पहले ही नत्थू ने
छप्पर पर फूस डाली थी।

बारिश के कारण फूस
खिसक गई थी।
नत्थू ने छप्पर पर चढ़कर
उसे ठीक कर दिया।
छप्पर ने चूना बंद कर दिया।

जलाई	बुझाई	छप्पर	टप्पर	चप्पल
दिन	रात	कल्लू	मल्लू	लल्लू
अंधेरा	रोशनी	सिक्का	चक्का	मक्का
चढ़ा	उतरा	मिट्टी	पट्टी	खट्टी

आकृति बनाओ खेल

कुछ सींक इकट्ठी करो। इन्हें बराबर लम्बाई के टुकड़ों में तोड़ लो। इनसे ऐसी आकृतियाँ बनाओ। फिर उन्हें आधा करो।

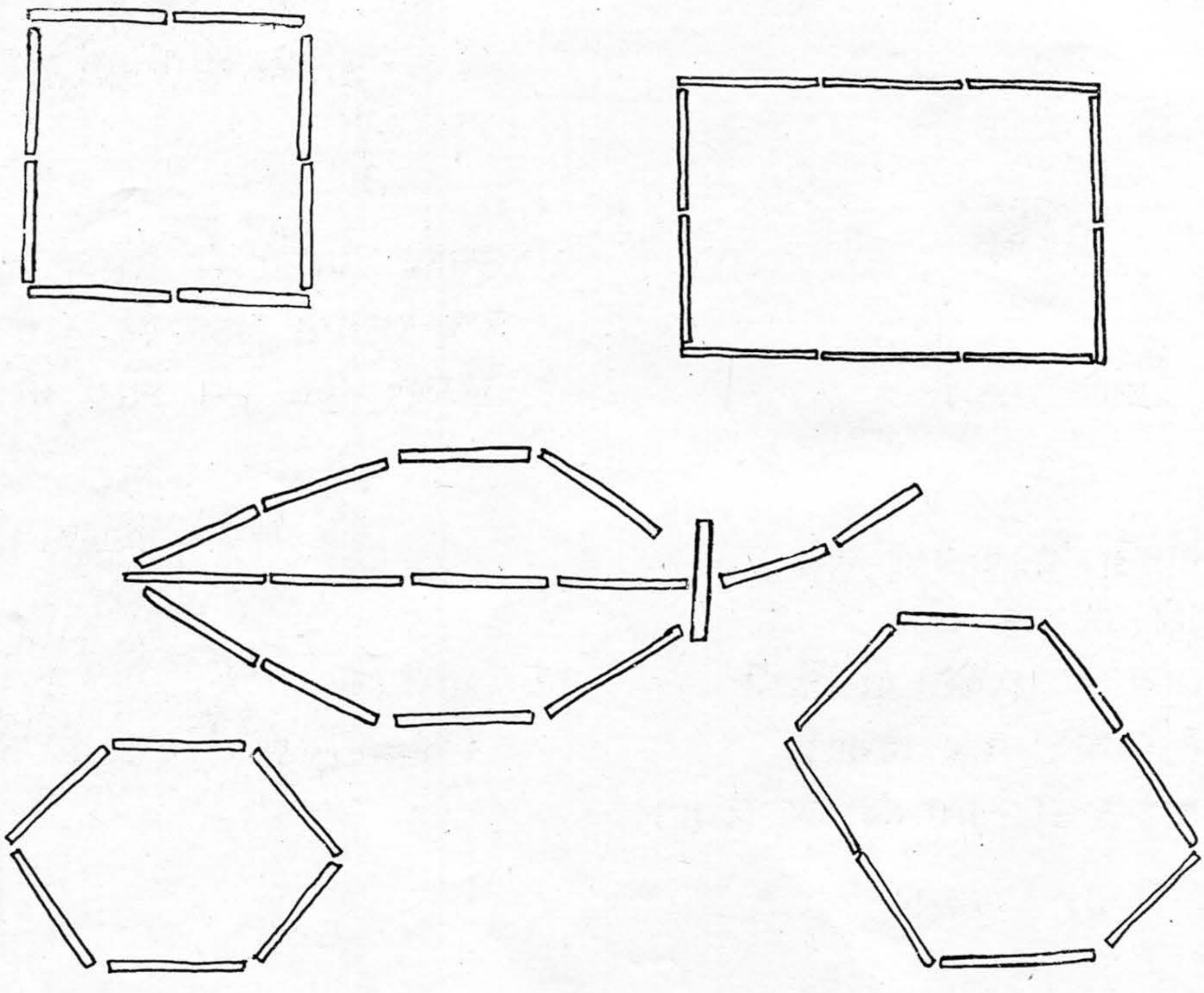

- तीलियाँ जमाकर ऐसी और भी आकृतियाँ बनाओ।
- इन सब की आधी आकृतियाँ बनाने को कोशिश करो।
- अपने दोस्तों को ऐसी नई आकृतियाँ बनाकर आधा करने को दो।

माला मोती

दहाई इकाई

धागे में मोती पिरोकर तुम भी ऐसी माला बनाकर खेल सकते हो। मोती न हों तो बटन या कुछ और ले सकते हो।

मोती

=

दस मोती = एक माला

एक माला और चार मोती = १४ मोती

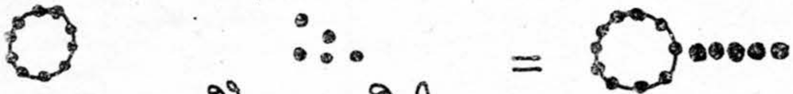

१ माला और ५ मोती = ---- मोती

२ माला और ---- मोती = २३ मोती

२ माला और ७ मोती = ----

२ माला और ८ मोती =

१ माला और ९ मोती =

१ माला १ मोती = ११ मोती
१ माला २ मोती = १२
१ माला ३ मोती = १३
१ माला ४ मोती =
१ माला ५ मोती = १५
१ माला ६ मोती =
१ माला ७ मोती = १७
१ माला ८ मोती =
१ माला ९ मोती =
२ माला = २०
२ माला १ मोती =

ऐसे और भी अभ्यास पट्टी पर और मोतियों व माला के साथ करो।

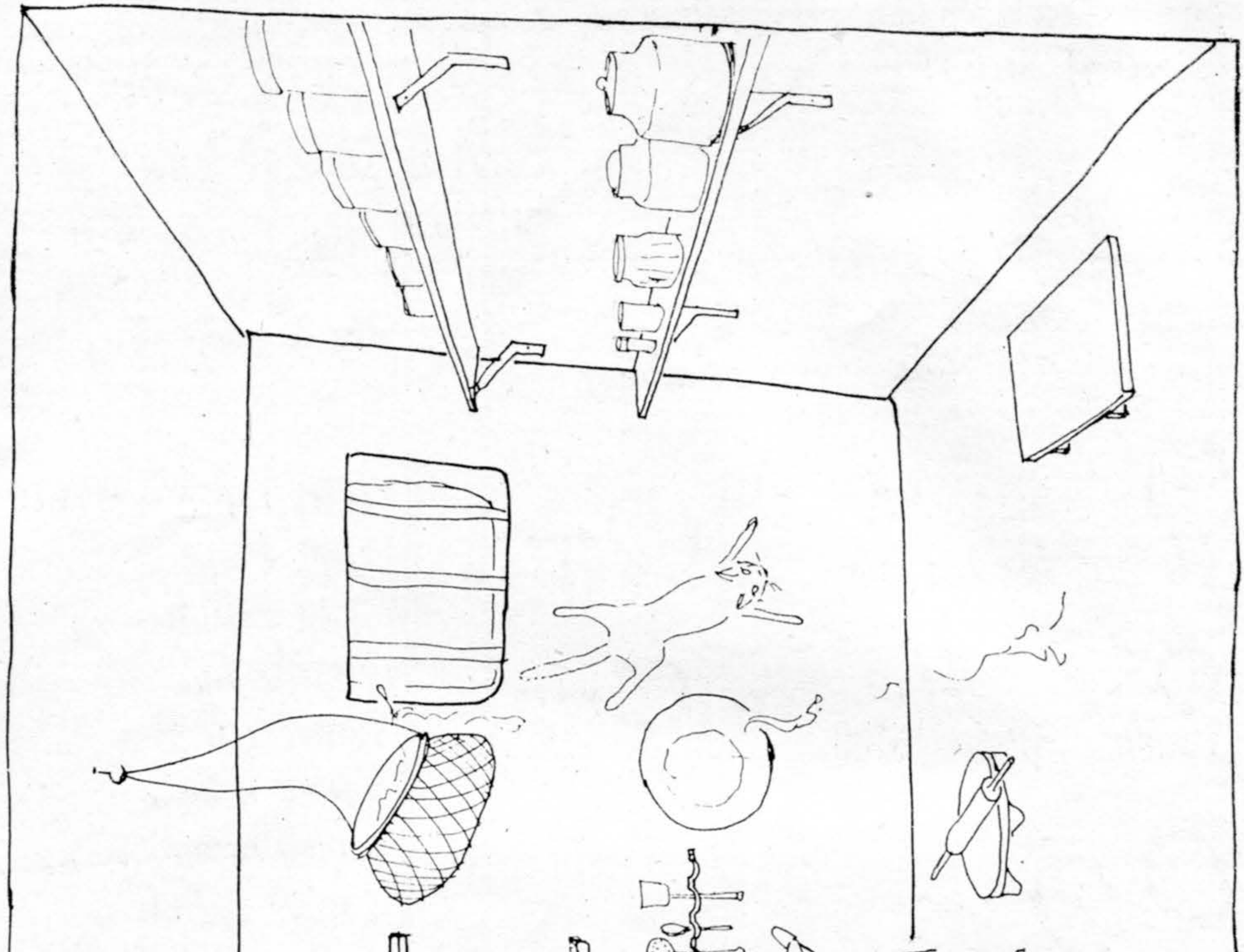

रसोई में भगदड़

दबे पाँव से बिल्ली आई
लगी चाटने दूध मलाई।
गरम लगा तो प्लेट गिराई
पटके बर्तन धूम मचाई।
कुत्ते ने जो आहट पाई
दौड़ के झटपट पहुंचा भाई।
'भौं भौं' कर आवाज लगाई
मुन्नी झट से दौड़ी आई।

अरे ये कैसी हो गई गड़बड़
सारे बर्तन करते भड़-भड़।
गंजी करती ....
चमचा करता ....
थाली करती ....
मटका करता ....

- *क्या तुम आंख बंद कर के पहचान सकते हो कि कौन सा बर्तन गिरा ? कौन सी चीज़ गिरी? एक दूसरे के साथ खेलो।*
- बिल्ली कैसे आई ?
- कुत्ते ने कैसे आवाज लगाई ?
- *मुन्नी ने क्या देखा ?*
  मुन्नी ने क्या किया होगा ?
- *इस चित्र में कौन से बर्तन हैं ?*
  चित्र में सभी चीजों के नाम लिखो।
- *तुम भी कुछ बर्तन चित्र में बनाओ।*

गिरा	गिराई
पिटा	....
मचा	....
लगा	....

- *ई से खतम होने वाले शब्दों पर गोला लगाओ।*

• अगला क्या होगा •

• हर लाइन में बनाओ •

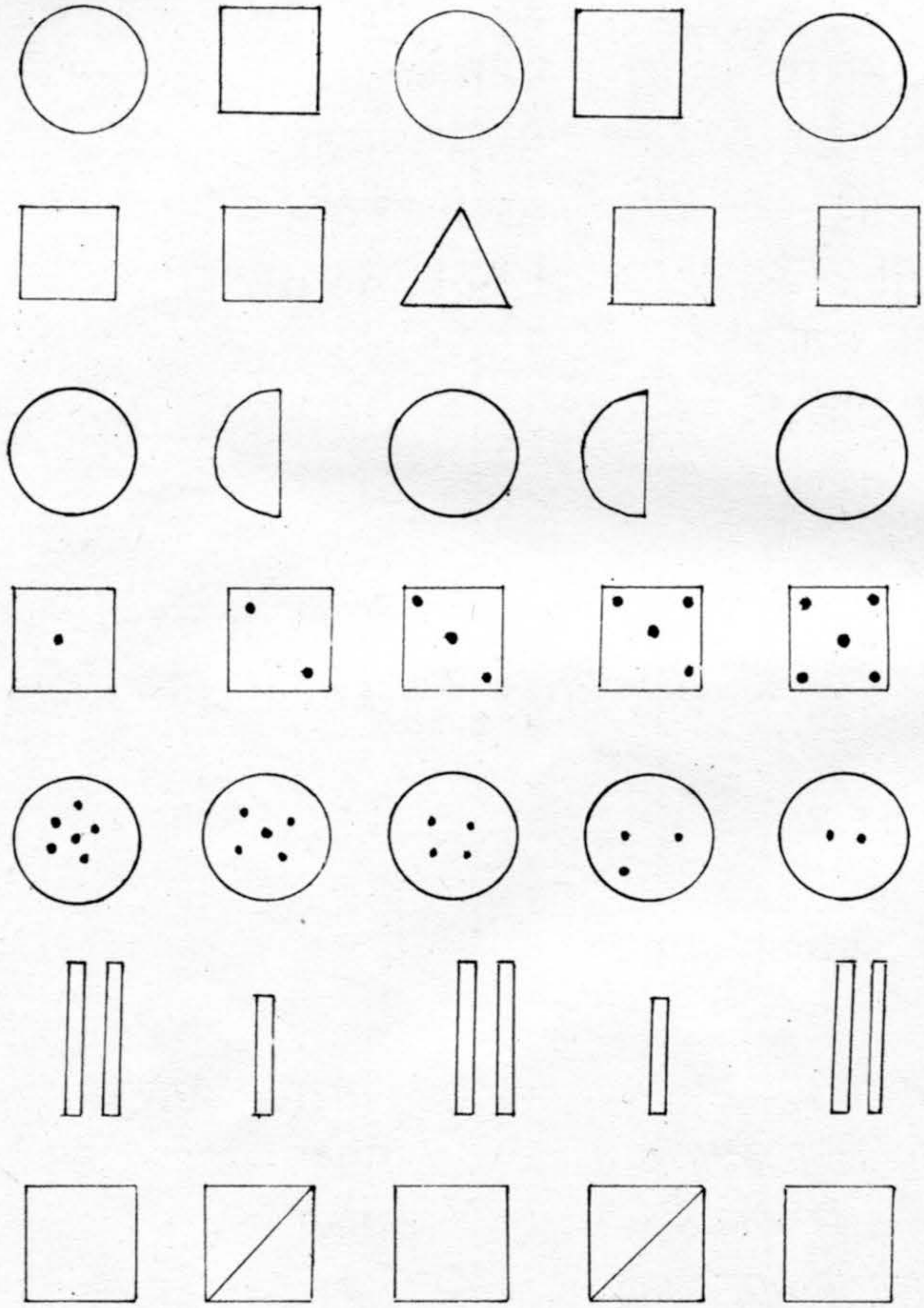

• रूप्पे जमाकर अलग-अलग तरीके से और भी बनाओ।

• पट्टी पर और भी आकृतियाँ बनाओ। अगला क्या होगा दोस्तों से बूझने को कहो।

पहेलियां

- नीचे के शब्दों में जवाब ढूंढो।
- जवाब ढूंढकर सबको समझाओ।
- बना सको तो चित्र भी बनाओ।

लाल लाल तवा, सोने से मढ़ा
पूरब से आया, पश्चिम को गया।

बादल लेकर उड़ती हूं
न ही किसी को दिखती हूं।
हर सांस में सबके आती
फिर भी किसी को नज़र न आती।

आसमान से टपका हूं
ज्यादा देर न टिकता हूं।
जल्दी कर के मुझको पकड़ो
नहीं तो फिर मैं गलता हूं।

बीन बजाता आता है,
खून पी उड़ जाता है।

खट्टे खट्टे रसवाला हूं
चीज़ इक अनमोल हूं।
पीला पीला छिलका मेरा
ऊपर से मैं गोल हूं।

हाथी, शेर, हवा, चींटी, मकड़ी, सूरज, टमाटर, प्याज, पानी, आलू, मछली, ओला, मक्खी, चिड़िया, चूहा, मच्छर, आम, नीबू, पतंग।

जोड़ो और घटाओ

३ + ४ =

४ + ३ =

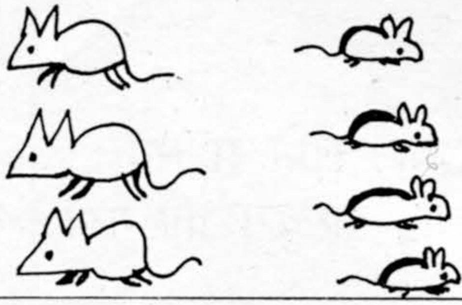

७ − ४ =

७ − ३ =

२ + ४ =

४ + २ =

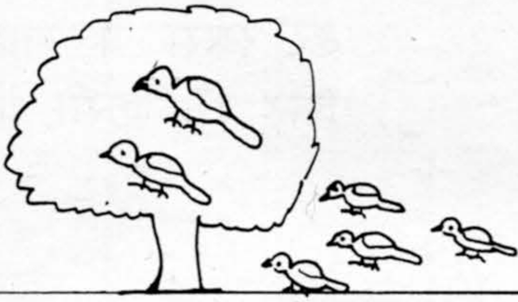

६ − २ =

६ − ४ =

५ + ४

४ + ५

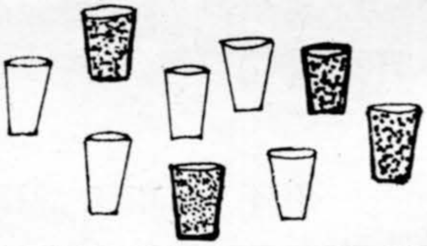

९ − ४ =

९ − ५ =

५ + ३ =

३ + ५ =

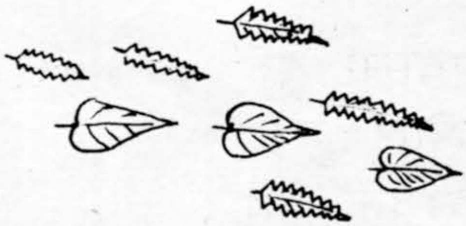

८ − ५ =

८ − ३ =

- अंक कार्ड के साथ जोड़ने घटाने के और भी अभ्यास करो।
- कंकड़ और बिन्दी कार्ड के साथ भी ऐसे अभ्यास करो।
- बीज, कंकड़ से एक दूसरे के लिए जोड़ने घटाने के अभ्यास बनाओ और करो।

कविता पढ़कर चिड़काबूड़ा का चित्र बनाओ

लंबी दाढ़ी आधा बूढ़ा
ये है एक चिड़काबूड़ा।
कभी नहीं नहाता है,
मीठी गोली खाता है।
चाहे जितना रंग लगाओ
चिड़काबूड़ा का चित्र बनाओ।

• *ऐसी और कौन सी कवितायें तुम्हें आती हैं? उन्हें गाओ, उन पर चित्र बनाओ।*

पड़ा	पढ़ा	दाढ़ी	नहाता
गाड़ा	गाढ़ा	गाड़ी	खाता
बाड़	बाढ़	साड़ी	जाता

• *और भी ऐसे शब्दों को ढूंढो।* • *'ली' में खतम होने वाले शब्द ढूंढो*

बांटो इनमें आधा आधा
न किसी को कम न किसी को ज्यादा

दोनों घरों में बराबर-बराबर दिये रखो.......

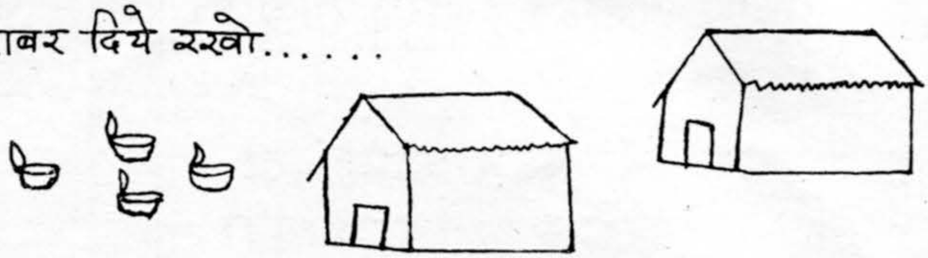

दोनों बाल्टियों में बराबर बांटो.......

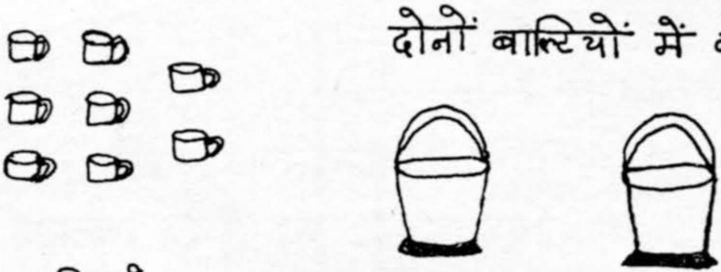

मीना और शशि को बराबर लड्डू दो.........

बंदर और हाथी को बराबर - बराबर दो...

दोनों तितलियों को बराबर - बराबर दो......

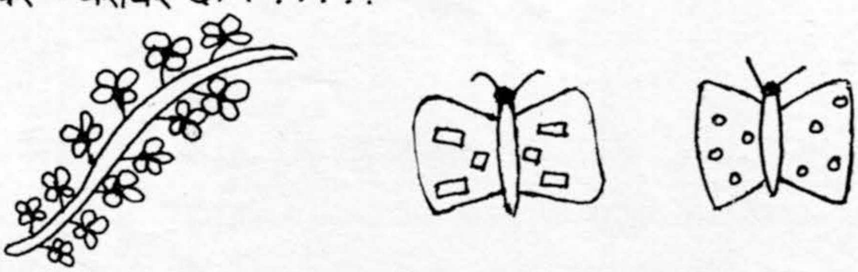

हर दिये के लिए एक कंकड़ लो। कंकड़ को दोनों घरों में बराबर बांटो। ऐसा बाकि सवालों के साथ भी करो। ऐसे और भी सवाल बनाओ - करो।

संख्या चार्ट

१		२१	३१	४१
२	१२	२२	३२	
				४३
			३४	
५				
				४६
७				
	१८		३८	
		२९		
१०	२०			५०

जैसा मैं बताऊँ वैसा ही करो

- गिनो → १ से २० तक कितने घर खाली हैं ?
- → ३० से ५० तक कितने खाली हैं?
- → १ से ५० तक कितने घरों में संख्या लिखी हुई है?
- खाली घर में संख्या लिखो।
- १५ के बाद क्या आता है ?
- १५ के कितने घर बाद १८ है ?
- १९ से १३ तक पहुंचने में क्रम से कौन सी संख्याएं मिलीं ?
- २३ से २८ तक पहुंचने में कितने घर आगे बढ़ना होगा ?
- १८ से ११ तक लौटने में कितने घर पार करने होंगे ?
- २५ से ३ बड़ी संख्या कौन सी है?

इस तरह के और भी अभ्यास करो। दोस्तों के साथ जल्दी पता करने का खेल, टीमों में बंट कर खेलो।

- १० के बाद हर दसवें घर में हरा रंग भरो? किन घरों में रंग भरा?
- २ के बाद हर दूसरे घर में पीला रंग भरो? (हरे रंग के घर छोड दो)
- १० के बाद हर पांचवे घर में लाल रंग भरो? (हरे रंग के घर छोड दो)
- ३० तक कौन से घर पीले हुए ? ५० तक कौन से घर लाल हुए।

हाय रे मिर्च

हल्कू हाथी को हरी मिर्च बहुत अच्छी लगती थी। एक बार उसे हरी मिर्च का बहुत बड़ा झाड़ दिखा। हल्कू झट से पूरा झाड़ चबा गया।

पर ये क्या? हरी मिर्च तो बहुत ही तीखी निकली। हल्कू चिल्लाया – हाय रे, बचाओ। सीं सीं सीं, हाय।

हल्कू भाग कर नहर पर पहुंचा। वहां उसने ढेर सा पानी पिया। पर मिर्च जरा भी कम नहीं हुई।

अचानक हल्कू को हलवाई की याद आई। उसने सोचा अगर हलवा मिल जाये तो मिर्च लगना बंद हो जायेगा।

वह दौड़ते - दौड़ते हलवाई की दुकान पर पहुंचा। बोला- हलवाई हलवाई, मुझे थोड़ा सा हलवा दे दो। हलवाई ने कहा – दे तो दूंगा, पर पहले तुम मुझे थोड़ी सी हल्दी ला दो।

हल्कू हांफते - हांफते हशमत की दुकान पर पहुंचा। बोला – हशमत भाई, हशमत भाई, मुझे थोड़ी सी हल्दी दे दो। हल्दी मैं हलवाई को दूंगा,

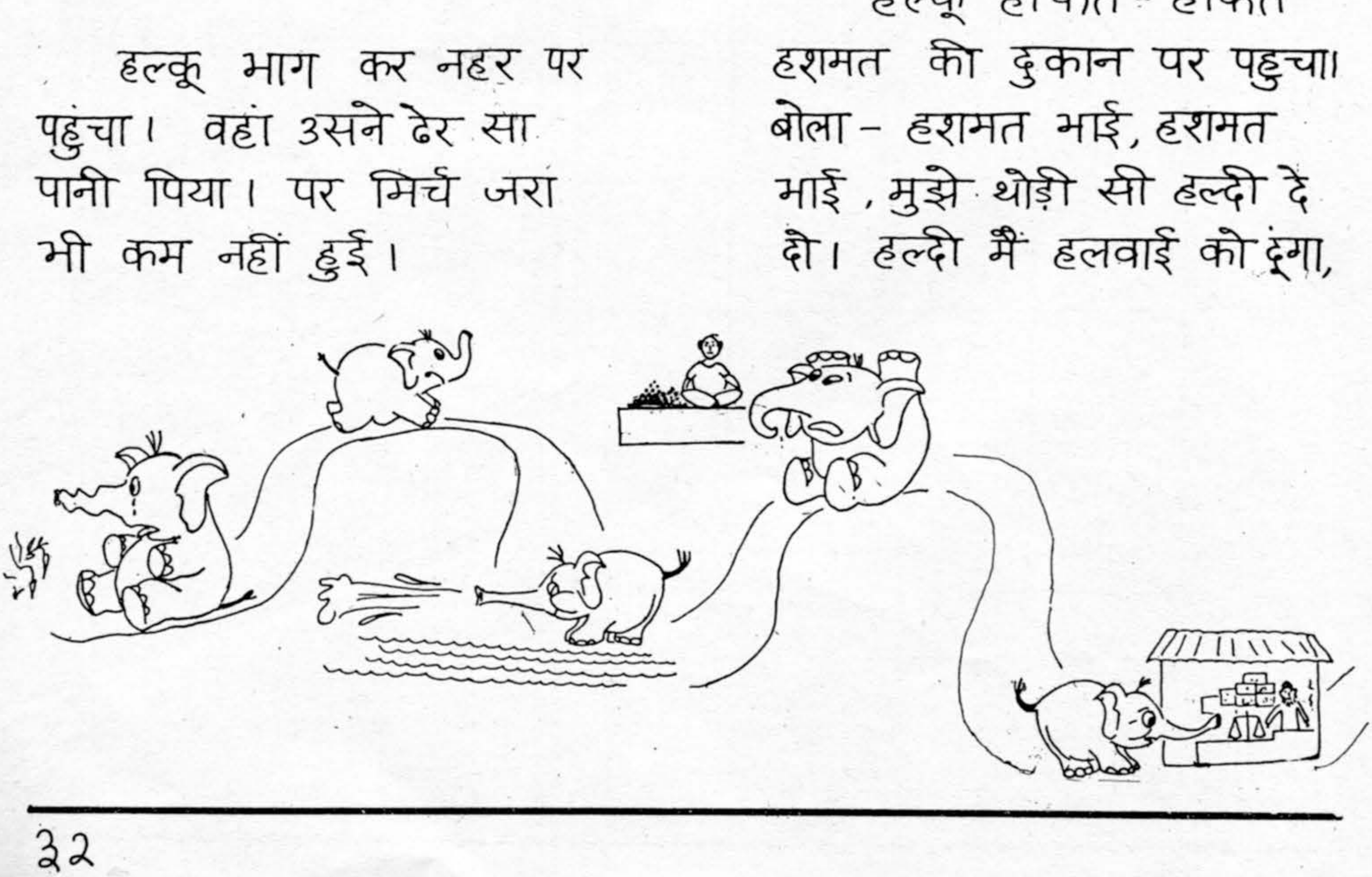

हलवाई मुझे हलवा देगा।

हशमत ने कहा - दे तो दूंगा, पर पहले तुम मुझे एक हंसिया ला दो।

बेचारा हल्कू फिर लोहार के पास पहंचा। बोला - लोहार भाई, लोहार भाई, मुझे एक हंसिया दे दो। हंसिया मैं हशमत को दूंगा। हशमत मुझे हल्दी देगा। हल्दी मैं हलवाई को दूंगा। हलवाई मुझे हलवा देगा।

लोहार ने कहा - दे तो दूंगा, पर पहले तुम मेरा हुक्का भर दो।

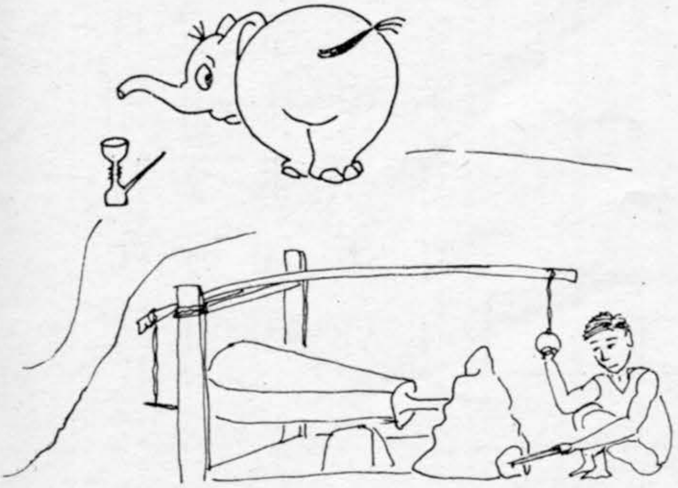

हल्कू ने लोहार का हुक्का भर दिया। लोहार ने उसे हंसिया दे दिया। हंसिया लेकर वह हशमत के पास पहुंचा। बोला - हशमत भाई, हशमत भाई, ये लो हंसिया। अब मुझे थोड़ी सी हल्दी दे दो। हशमत ने उसे हल्दी दे दी।

हल्दी ले कर वह हलवाई की दुकान पर पहुंचा। हलवाई ने हल्दी ले ली, और हल्कू को थोड़ा हलवा दे दिया।

हल्कू ने झट से हलवा खा लिया। हलवा खाते ही उसे मिर्च लगना बंद हो गई। कुछ समय के लिये तो हल्कू को बहुत अच्छा लगा। पर थोड़ी देर के बाद उसे फिर से हरी मिर्च की याद आने लगी।

• *'ह' वाले शब्दों पर गोला लगाओ।*

सुरता का बस्ता

सुरता के बस्ते में
क्या-क्या है ?

इन्हें काटो - ब, क, रा, री, बा

ब	क	रा	बा	रा
री	ब	क	री	क
क	री	ब	क	रा
बे	क	रा	र	बा
ब	रा	क	क	ब

क्या बचा ?
बचे हुए को जोड़कर
शब्द बनाओ।

इन्हें काटो क, ल, च, का, ह

क	ल	च	का	ह
क	ल	ह	क	च
ल	चू	हा	का	ह
क	ह	का	च	ल
ल	का	च	ह	क

इन्हें काटो - का, ली, ल, ह रा

का	ली	ल	ह	रा
रा	ह	का	ल	ली
के	ली	ला	ह	रा
ली	ल	ह	रा	का
का	का	ली	ह	ली

इन्हें काटो - प, ना, पा, के, ने

प	ना	पा	ना	प
के	प	ने	ना	पा
पे	ना	के	न	प
प	के	पा	प	के
ने	प	ना	ने	पा

- अक्षर कार्ड जमाकर और नाम बनाओ।
- पट्टी पर मन से ऐसे और झुंड बनाओ। नाम ढूंढ़ना खेलो।

आकृतियां

नीचे वाले चित्र को ऊपर वाले चित्र जैसा भरो।

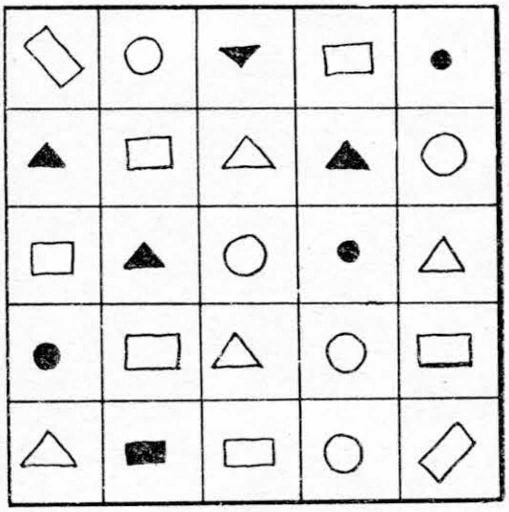

कितने ● हैं ?
कितने □ हैं ?
कुल ______

कितने ▲ हैं ?
कितने △ हैं ?
कुल ______

□ में लाल रंग भरो।
△ में हरा रंग भरो।
○ में पीला रंग भरो।

कुल कितने △ रंगे ?
कुल कितने □ रंगे ?
कुल कितने ○ रंगे ?

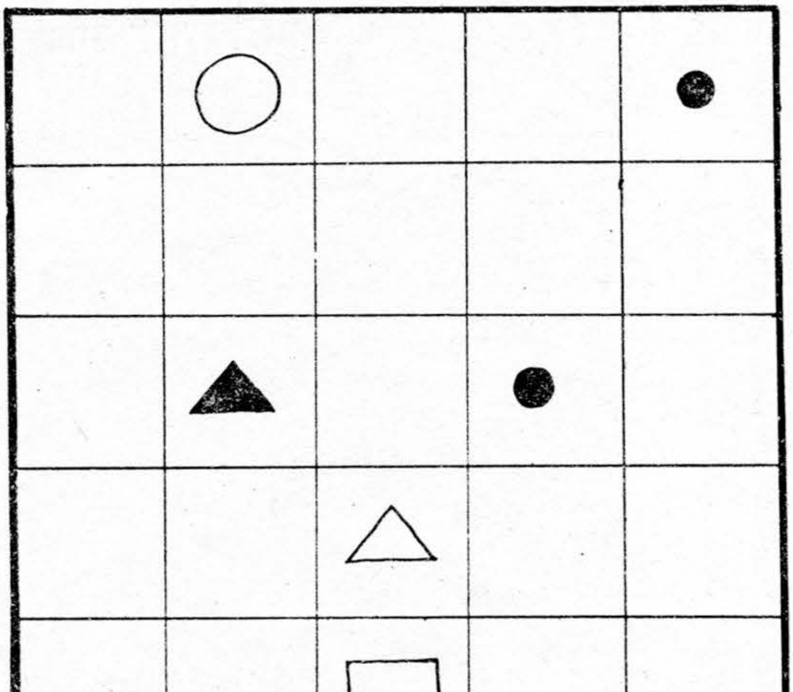

- बाहर से कंकड़, चूड़ी के टुकड़े, चिएं या बीज आदि लाओ।
  △ पर कंकड़ रखो, ▲ पर काड़ी, ○ पर चूड़ी के टुकड़े और □ पर कोई बीज। ऐसे ही अलग-अलग तरह की और चीजें जमाओ।

चीजें

लड्डू, लट्टू, कच्ची ईंट,
ताला, चाबी, पक्की ईंट,
कील, कागज और करेला,
कच्चा मटका, गुड़ का भेला।
शीशी, पन्नी, चाय की छन्नी,
पंजी, दस्सी और चवन्नी।
कैंची, फावड़ा, गाय का गिरमा,
टोपी, जूता, आँख का सुरमा।

- जिन चीजों के चित्र बना सकते हो उन्हें बनाओ। उनपर चीजों के नाम भी लिखो।
- इनमें से कौनसी चीजें कुम्हार बनाता है ?
- कौनसी चीजें रसोई में लगती हैं ?

घटाना

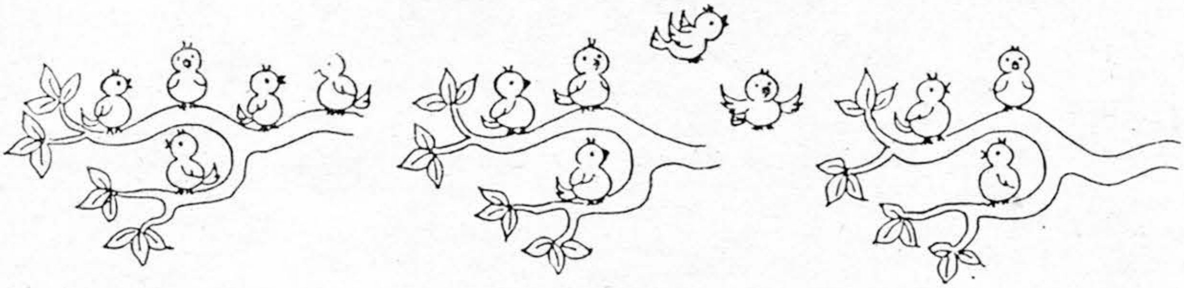

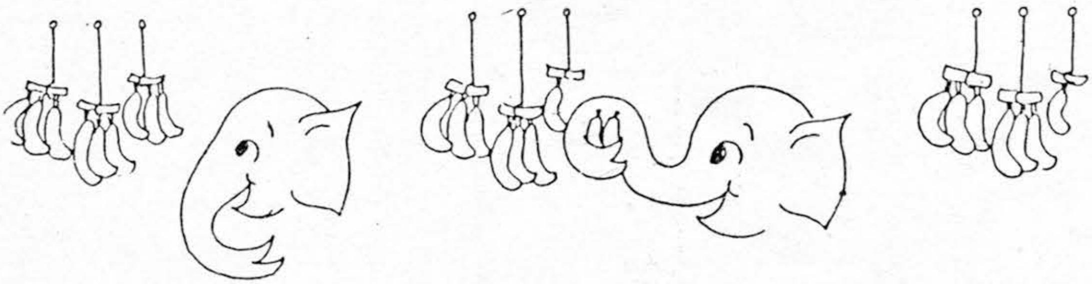

- इन चित्रों से कहानी बनाओ।
- ऐसे ही चित्रों से हमने घटाने के सवाल किए थे। अब ऊपर बने चित्रों से ऐसे और सवाल बनाओ।

दोगुना करो आधा करो

दोगुना

आधा

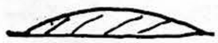

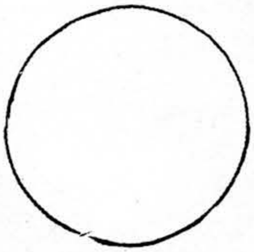

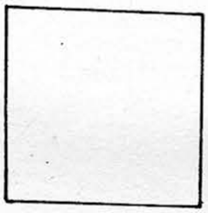

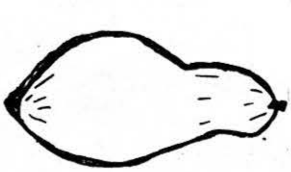

आस पास से फूल, पत्तियाँ, पुराने कागज इकट्ठे करो।
इनको आधा-आधा करने की कोशिश करो।

आवाज़ का खेल

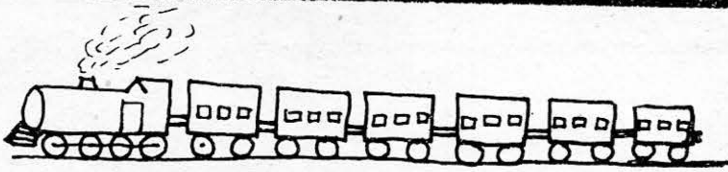

रे | ल | गा | ड़ी

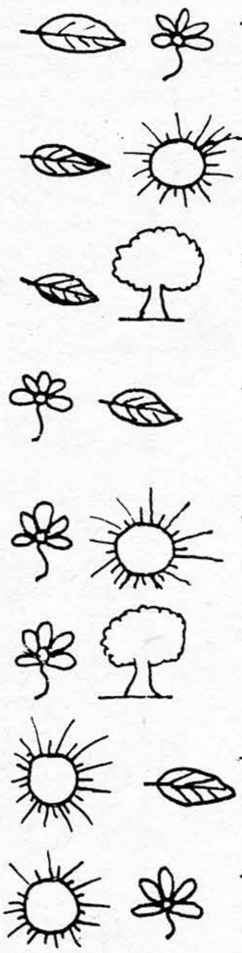

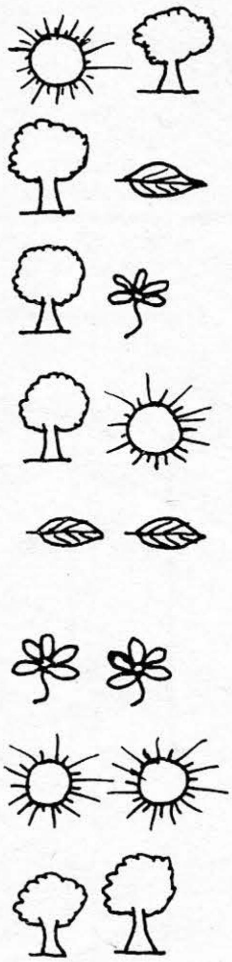

• ऐसे और भी जोड़े पट्टी पर बनाओ।

ला | ल | टे | न

• अब चित्र भी खुद ही चुनो और पट्टी पर जोड़े बनाओ।

काँ | टा | वा | ड़ी

दोगुना करो आधा करो

दोगुना आधा

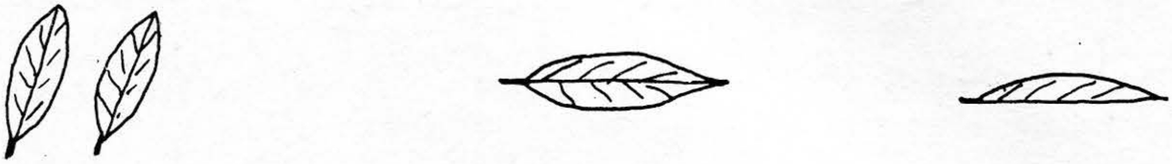

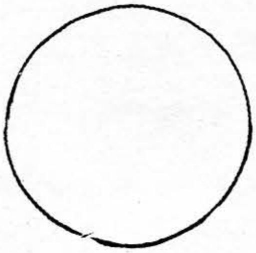

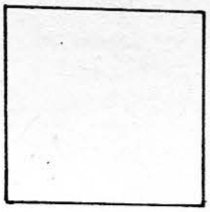

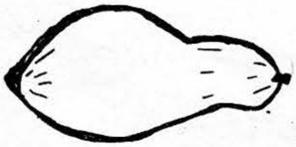

आस पास से फूल, पत्तियाँ, पुराने कागज इकट्ठे करो।
इनको आधा-आधा करने की कोशिश करो।

आवाज़ का खेल

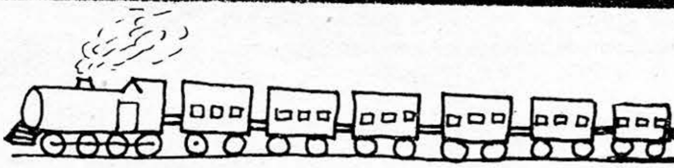

रे ल गा 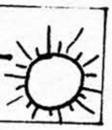 ड़ी

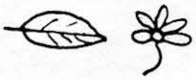 ______

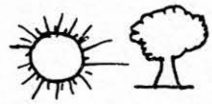 ______

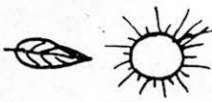 ______

______

______

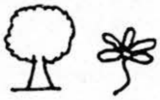 ______

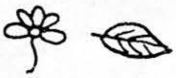 ______

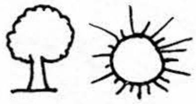 ______

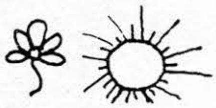 ______

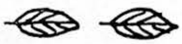 ______

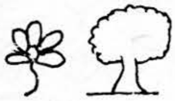 ______

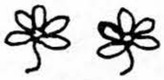 ______

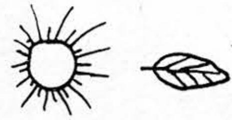 ______

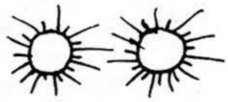 ______

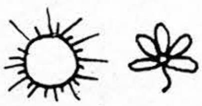 ______

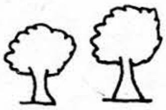 ______

- ऐसे और भी जोड़े पट्टी पर बनाओ।

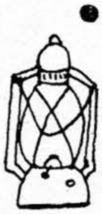

ला 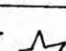 ल 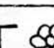 टे 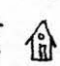 न

- अब चित्र भी खुद ही चुनो और पट्टी पर जोड़े बनाओ।

काँ टा वा ड़ी

तिजिया का घर

जरा तिजिया को उसके घर तक तो पहुंचाओ। ये भी बताओ कि हरेक से तिजिया की क्या बातचीत हुई।

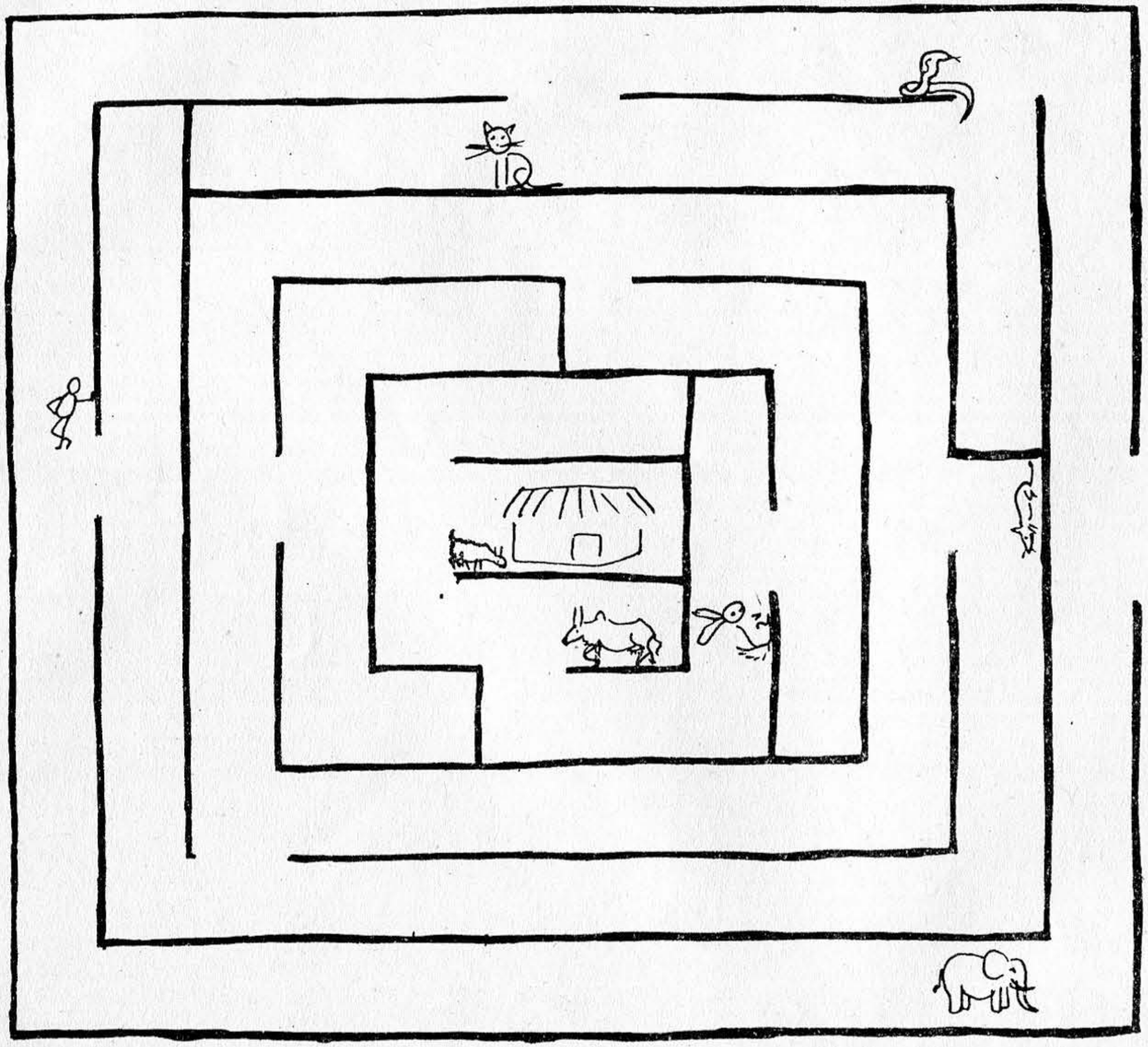

रास्ते में क्या - क्या मिला ?

जाते में

आते में

- क्या तुम तीलियां रखकर ऐसी भूल भुलैया बना सकते हो।
- बिल्ली को गाय तक पहुंचाओ। और सांप को चूहे तक। रास्ते में सांप को खरगोश मिला – सही या गलत ? क्या बिल्ली को रास्ते में हाथी मिलेगा।

खेल

बाहर से कुछ काड़ियां, कुछ कंकड़ ले आओ। काड़ियों को बराबर - बराबर तोड़ लो। गिन कर दस काड़ियां निकालो। उन्हें एक धागे से बांध लो। १० - १० काड़ियों के ४ - ५ बंडल बनाओ।

अब बंडल और काड़ी का खेल खेलो। खेल दो टीमों के बीच होगा। हर टीम में अधिक से अधिक ३ बच्चे हो सकते हैं। हर टीम ४ बंडल और ९ सींक ले ले। साथ ही हर टीम अपने पास १० - १० कंकड़ भी रख ले।

कोई भी एक टीम शुरू करे। जो भी संख्या वह टीम मांगे (बोले) उतनी काड़ियां दूसरी टीम को दिखानी हैं। बंडल नहीं खोल सकते। अगर कोई टीम काड़ियां नहीं दिखा सके तो मागने वाली टीम को वही संख्या दिखानी होगी। अगर मांगने वाली टीम ने काड़ियों से वही संख्या दिखा दी तो वह दूसरी टीम से एक कंकड़ ले लेगी।

कंकड़ों के लेन देन का हिसाब ऐसे रखो।

टीम १	टीम २
९ कंकड़	१० कंकड़
....	....
....	....
....	....

ऐसी तालिका से खेल में मदद मिलेगी।

बंडल	= काड़ियां
१ बंडल	१० काड़िया
२...	....
३...	....
४	....

काड़ी काड़ियां	संख्या संख्याएं	टीम को दो
गाड़ी गाड़ियां	शाखा शाखाएं	लता को दो
....	....	....

अब कुछ सवाल मेरे लिये भी कर दो। मुझे चाहिये १३ काड़ियां। कितने बंडल दोगे और कितनी काड़ियां? १३ काड़ियां १ बंडल से अधिक हैं और २ बंडल से कम। कितनी अधिक है? १३ काड़ियों के लिये १ बंडल और ३ काड़ी देनी होगी।

२५ काड़ियां 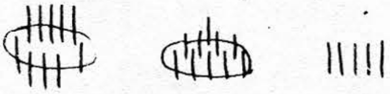 २ बंडल ५ काड़िया

१८ काड़िया ...... बंडल ...... काड़िया

३० काड़ियां ......

११ काड़ियां

• *ऐसे और भी सवाल करो। एक दूसरे के लिये बनाओ।*

२ बंडल ८ काड़ियां २८ काड़ियां

१ बंडल ६ काड़ियां ...... काड़ियां

२ बंडल ३ काड़ियां ......

१ बंडल ९ काड़ियां ......

२ बंडल २ कड़ियां ......

६ बाबा शेर

इमरत और नत्थू ढोल से टिककर बात कर रहे थे। शेर ने उनको देख लिया।

शेर उनपर झपटने के लिये ढोल पर चढ़ा। लेकिन ढोल खिसक कर टेढ़ा होने लगा।
नत्थू बोला- अहा देख लिया।
तभी शेर ढोल के अंदर गिर गया।

नत्थू और इमरत ने ढोल पूरा उलट दिया। शेर अंदर बंद हो गया। पर उसकी पूंछ एक छेद से बाहर निकल आई। इमरत ने झुककर उसे पकड़ लिया।

और बांध दी पूंछ में गांठ। हा! हा! हा!

शब्द खेल

रेल, बंदर, फल, कितने, पानी, कलम, गोल, लंबा,
बोल, फूल, जाता, आता, भर, चार, एक, लात,
पकड़ी, पेड़, हाथी, पतंग, लड़की, ऊपर, घर।

- ऊपर वाले शब्द नीचे ढूंढो। ढूंढ कर उन पर गोला लगाओ।

कि	रे	ल	चू	हा	थी	हा	फ	ल	ना
त	चु	प	तं	ग	ल	थ	रा	त	च
ने	न	पा	ऊ	प	र	नी	चे	प	ला
पे	मु	नी	ला	ढ़	भ	र	ना	क	ऊं
ड़	नी	बो	ल	बं	द	र	ल	ड़ो	गा
बं	द	गो	ल	द	ल	ड	की	आ	या
घ	र	चा	र	लं	बा	जा	ता	ता	रा
र	वा	बं	ए	क	बा	द	ल	पे	ड़
बा	जा	द	क	प	पा	नी	ला	प	ता
म	ढ	ली	र	ज	ला	लो	त	रा	जू

- इन शब्दों को पट्टी पर लिखो।
- और कौन-कौनसे शब्द बना सकते हो, पट्टी पर लिखो।
- अक्षर कार्ड जमाकर ऐसे और शब्द बनाओ।

अपने बारे में बताऊं ?

१. मेरी मां का नाम .... है।

२. मेरे पिता का नाम .... है।

३. हम लोग .... में रहते हैं।

४. हमारे जिले का नाम .... है।

५. हमारे घर में कुल .... लोग हैं।

६. मैं .... साल का हूं।

७. मेरे घर में कुल .... दरवाज़े हैं।

८. मेरे मामा .... में रहते हैं।

९. मेरे घर के पास .... रहता है।

• अपने घर और घर के लोगों का चित्र बनाओ।
पट्टी पर और सामने वाले पन्ने पर भी बनाओ।

2

जोड़कर लिखो

काली गोटी ●
खाली गोटी ○

● ●	○ ○ ○○	२ + ४ = ६
●	○ ○ ○○○○	१ + ६ =........
● ● ● ● ● ●	○ ○ ○	.... + ... = ...
● ● ●	○ ○ ○	.... + ... = ...
● ● ● ●	○ ○ ○○○	.... + ... = ...
● ● ●	○ ○ ○○○	.... + ... = ...

जोड़ो और संख्याओं के बराबर काली और खाली गोटी बनाओ।

४ + ३ = ७	● ● ● ●	○ ○ ○
३ + २ =	● ● ●	○ ○
६ + ३ =		
५ + ३ =		
४ + ४ =		

खाली स्थान भरो:-

● ● ● ● + ...	४ + ५ = ९
● ● ● ● ● ● + ...	६ + ... = ९
.... + ○ ○	.... + २ = ९
.... + ○	.... + १ = ९

आई एक खबर

अभी खबर दिल्ली से आई,
मक्खी रानी उसको लाई।
टिड्डे ने हाथी को मारा
हाथी क्या करता बेचारा।
घुस बैठा मटके के अंदर,
मटके में थे ढाई बंदर।
उन्हें देखकर हाथी रोया,
रोते रोते ही वह सोया।

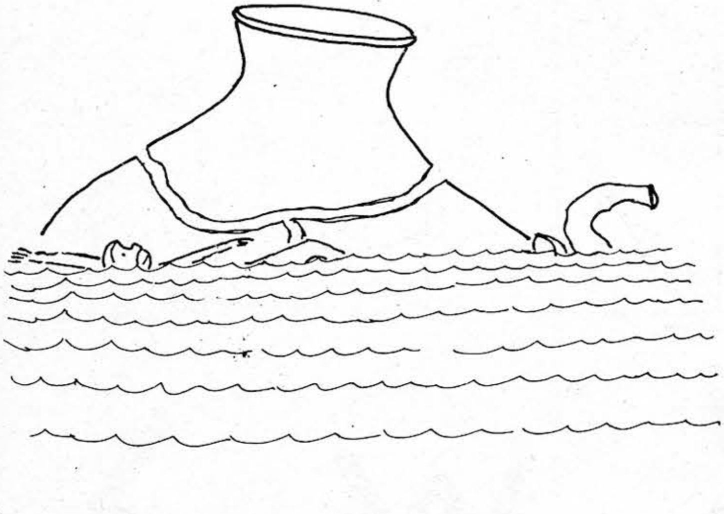

रुकी न पर आंसू की धारा,
मटका बना समंदर खारा।
लगे डूबने हाथी बंदर,
फंस गये थे उसके अंदर।
उनको सुनकर आया मच्छर,
लात जमाई उसने कसकर।
मटका फूटा, बहा समंदर
निकल पड़े सब हाथी-बंदर।

- *ऐसे और बनाओ -*

  धारा
  चारा
  खारा
  मारा

- *बोलकर वाक्य पूरे करो -*

  - टिड्डे ने ....
  - मटके में ....
  - मटके के ....
  - दिल्ली से ....

(कविता शांति अग्रवाल की है।)

जोड़ी ढूंढो

हर लाइन में पहले चित्र जैसा केवल एक ही चित्र है। उसे पहचान कर उसमें पीला रंग भरो।

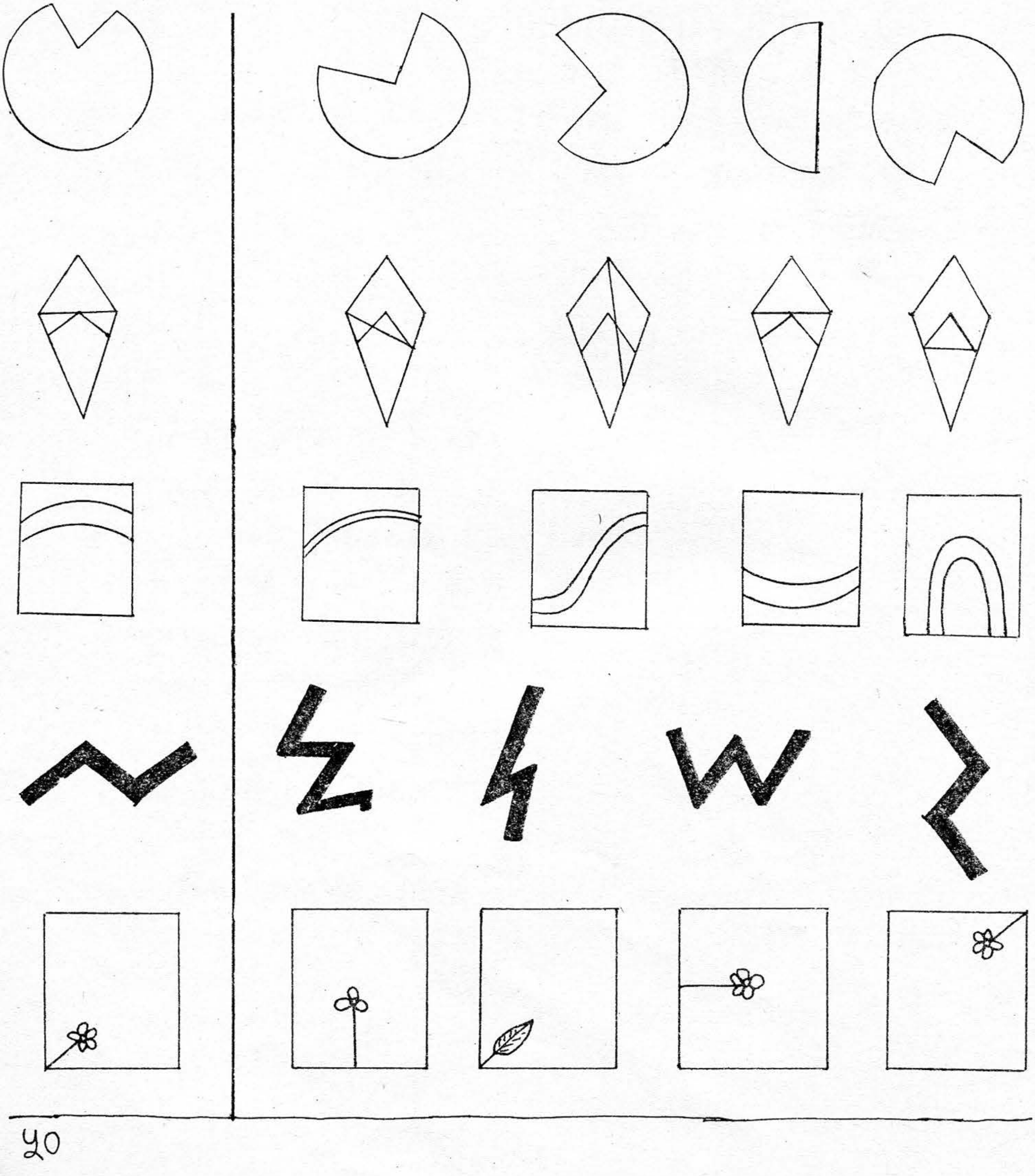

दहाई इकाई

एक गुच्छा दस अंगूर

एक दहाई दस इकाई

एक अंगूर

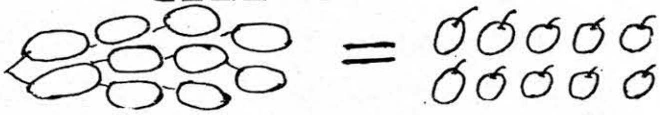

एक गुच्छा = दस अंगूर

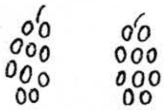 =

दो गुच्छे ...... अंगूर

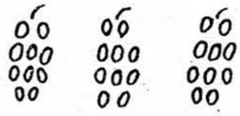 =

...... अंगूर

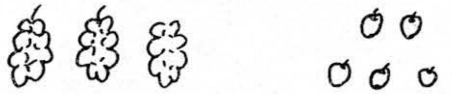

३५ अंगूर = ३ गुच्छे और ५ अंगूर

१८ अंगूर = ... गुच्छा और ...... अंगूर

१ गुच्छा	१० अंगूर
२ गुच्छे	...... अंगूर
३ गुच्छे	...... अंगूर
४ गुच्छे	...... अंगूर
५ गुच्छे	...... अंगूर
६ गुच्छे	...... अंगूर
७ गुच्छे	...... अंगूर
८ गुच्छे	...... अंगूर

२५ अंगूर

१४ अंगूर

३६ अंगूर

- ऐसे और भी अभ्यास करो, पट्टी पर। अंगूर की जगह कंकड़ लो। गुच्छे की जगह १० कंकड़ की ढेरी बनाओ। दोनों से ऐसे अभ्यास करो।

तालिका भरो

चीतल, उड़ी, बोतल, खाता, आती, लता
बजती, जाता, राजू, था, रानू, चूहा, नीना
शेर, चलती, है, थी, जूता, सात, खाती,
मकड़ी, खरगोश, दिखती, करेला, छलनी, गाजर।

- ऊपर वाले शब्द नीचे ढूंढो। गोला लगाओ।
- इन शब्दों को छांट कर **तालिका** में लिखो।

ची	उ	स	बो	त	ल	क्ष	खा	ता	ज्ञ
त	आ	म	रा	जा	ता	य	ना	ला	ख
ल	री	छ	नू	प	था	जू	है	ब	र
सु	त	ली	थ	क	प	ता	न	सा	गो
प	शे	र	ल	रे	उ	ला	गा	त	श
चू	ह	स	च	ला	ड़ी	प	ज	ग	य
हा	ल	आ	पा	से	खा	ती	र	च	प
थ	थी	ती	र	छ	घ	रा	जू	ल	ब
नी	ना	पा	सा	ल	र	ब	हो	ती	ज
म	क	ड़ी	ग	नी	दि	ख	ती	स	ती

जानवर	चीजें	नाम
चीतल	बोतल	राजू

मेरे शब्द -

- बकरी खा रही है।
- शेर खा रहा है।
- चिड़िया उड़ती है।
- मछली तैरती है।
- रानू गाजर उठाती है।

- गाय, हाथी, गाता, नहाता, शब्दों से वाक्य बनाओ।

हिस्से

✤ हर लाइन में बने हिस्सों को जोड़ कर पूरा चित्र बनाओ और नाम लिखो।

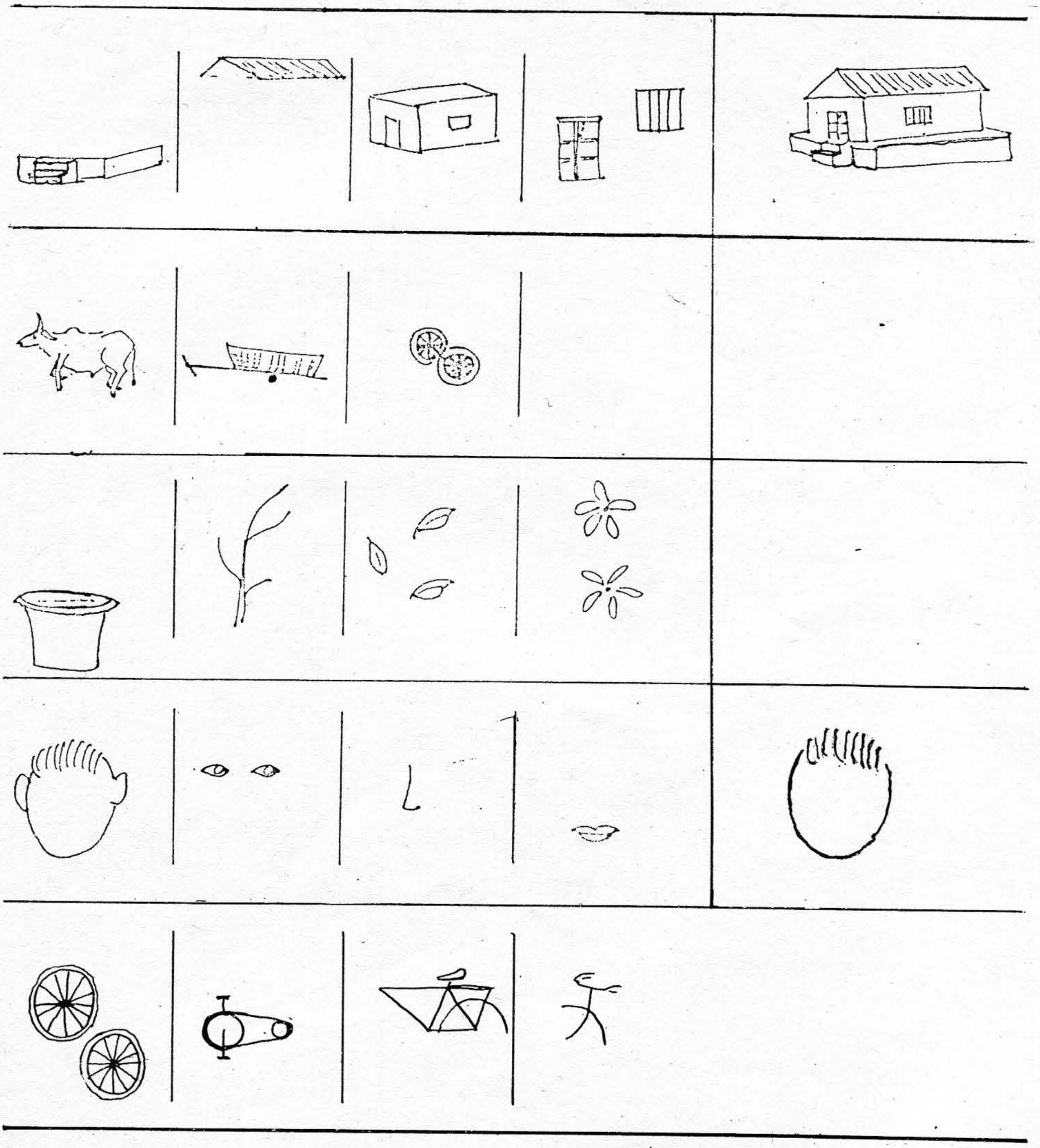

चींटा मोची

एक था चींटा। उसने दो जूते बनाये और उन्हें बेचने निकला। उसे एक बंदर दिखा। चींटे ने आवाज दी – बंदर मामा, बंदर मामा, जरा रुको तो सही। वह दौड़कर बंदर के पास पहुंचा और बोला – बंदर मामा, बंदर मामा, मेरे जूते ले लो।

बंदर ने जूते देखे, फिर चींटे की ओर देखा। उसे ऊपर से नीचे तक घूरा, और बोला – ये तो बहुत छोटे हैं। इन्हें खरगोश को दे दो।

चींटा दौड़ा-दौड़ा खरगोश के घर गया। खरगोश ने कहा – ले लेता, पर ये तो दो ही हैं। मेरे तो चार पैर हैं।

चींटा घर लौट आया। उसने रात भर में दो जूते और बनाये। दूसरे दिन वह चार जूते लेकर खरगोश के घर गया। खरगोश ने बहुत कोशिश की, लेकिन जूते उसके पाव में घुसे ही नहीं। वे बहुत ही छोटे थे। खरगोश बोला – ये तो बहुत ही छोटे हैं। ये तो शायद चींटी ही ले सके।

चींटा गया चींटी के पास। बोला – चींटी रानी, चींटी रानी, मैंने तुम्हारे लिये

जूते बनाये हैं। मेरे जूते ले लो।

चींटी बोली - मेरे तो छह पैर हैं। और तुमने बनाये हैं चार जूते।

रात भर में चींटे ने दो जूते और बनाये। अगले दिन चींटा छह जूते लेकर चींटी के घर गया। चींटी ने जूते पहनकर देखे और बोली - ये जूते तो बहुत नरम हैं। मैं इन्हें पहनकर मिट्टी में चलूंगी तो ये फट जायेंगे। ये तो मकड़ी के लिये अच्छे रहेंगे।

बेचारा चींटा झुके कंधों और घिसटते पैरों पर पहुंचा मकड़ी के घर। पर वो घर के दरवाजे पे ही रुक गया - अंदर जाता तो जाल में फंस जाता। मकड़ी बाहर आई तो चींटे को देखकर बोली - क्या बात है? तुम बहुत परेशान दिख रहे हो।

चींटे ने कहा - सच, मैं बहुत परेशान हो गया हूं। कोई भी मेरे जूते नहीं लेता। कोई कुछ कहता है तो कोई कुछ।

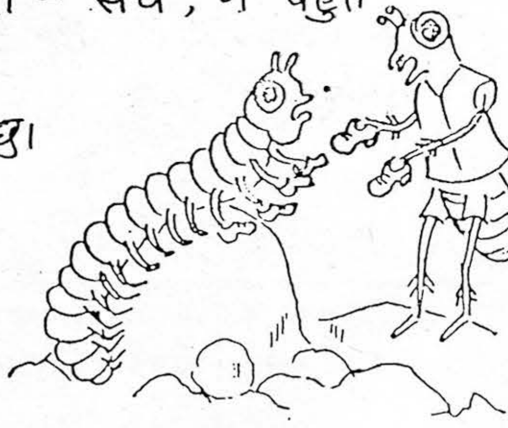

मकड़ी को चींटे पर दया आ गई। बोली - मैं तुम्हें जूते खरीदने वाला ऐसा ग्राहक बताती हूं जो रोज

दो जूते ले लेगा।

चींटा बहुत खुश हुआ।
बोला – कौन, ऐसा कौन होगा?
जल्दी बताओ ऐसा कौन होगा?

मकड़ी बोली – गिंजाई!

वो तुम्हारे सारे जूते ले लेगी।
उसके खूब सारे पैर होते हैं।

बस, फिर क्या था।
चींटा रोज दो-दो जूते
बनाता और गिंजाई को
दे आता।

- *कहानी को अपने शब्दों में एक दूसरे को सुनाओ।*

- *तालिका भरो*

नाम	पैर
चिड़िया	२
खरगोश	
चींटी	
मकड़ी	

चींटा किस - किस के पास गया?

- *किस क्रम में? इनमें से चुनो।*
  - चिड़िया, चींटी, खरगोश, बंदर
  - मकड़ी, खरगोश, चींटी, बंदर
  - बंदर, खरगोश, चींटी, मकड़ी

- *खरगोश जितने पैर किस-किस जानवर के होते हैं?*
- *चींटी जितने पैर किस-किस के होते हैं?*

- *चींटा हर रात दो जूते बनाता है। उसके बनाये जूतों की संख्या।*

एक रात में 2 x 1	दो रात में 2 x 2	तीन रात में 3 x 2	चार रात 4 x 2	पांच रात 5 x 2	छह रात 6 x 2	सात रात 7 x 2	आठ रात 8 x 2	नौ रात 9 x 2	दस रात 10 x 2
2	......	6	....	......	12	......	16	18	20

एक - आधा - पाव

१

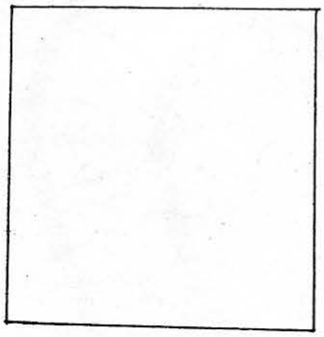

२

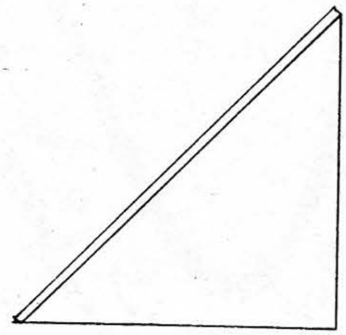

४

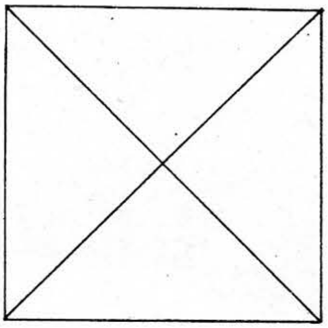

३

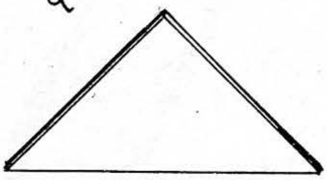

५

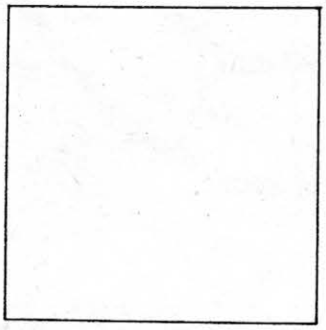

६

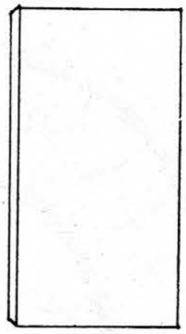

८

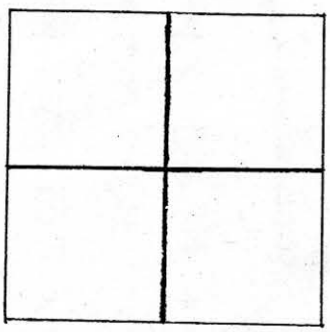

७

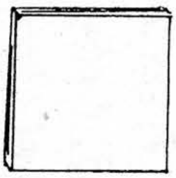

- एक जैसे दो कागज लो। एक को बीच से मोड़ कर दोहरा करो। जैसे चित्र २ में है।
- इस तिकोन के आकार में मुड़े कागज को एक बार फिर मोड़ो। (चित्र ३)
- अब पूरे कागज को खोल लो। लाइन लगी जगह से कागज को फाड़कर अलग करो। कितने भाग हुए, गिनो।
- कागज के हर हिस्से को दूसरे कागज पर जमाकर देखो।
- एक और कागज लो। इसे चित्र ६ की तरह मोड़ो।
- इसे एक बार और मोड़ लो, चित्र ७ की तरह।
- कागज को खोलकर मुड़े हिस्से से फाड़ लो।
- इन टुकड़ों को एक अलग कागज पर जमाओ।
- एक पूरे कागज से कितने पाव हिस्से बने ?
- आधे कागज से कितने पाव (चौथाई) हिस्से बने ?
- आधा बड़ा है या पाव ?

अंक खेल

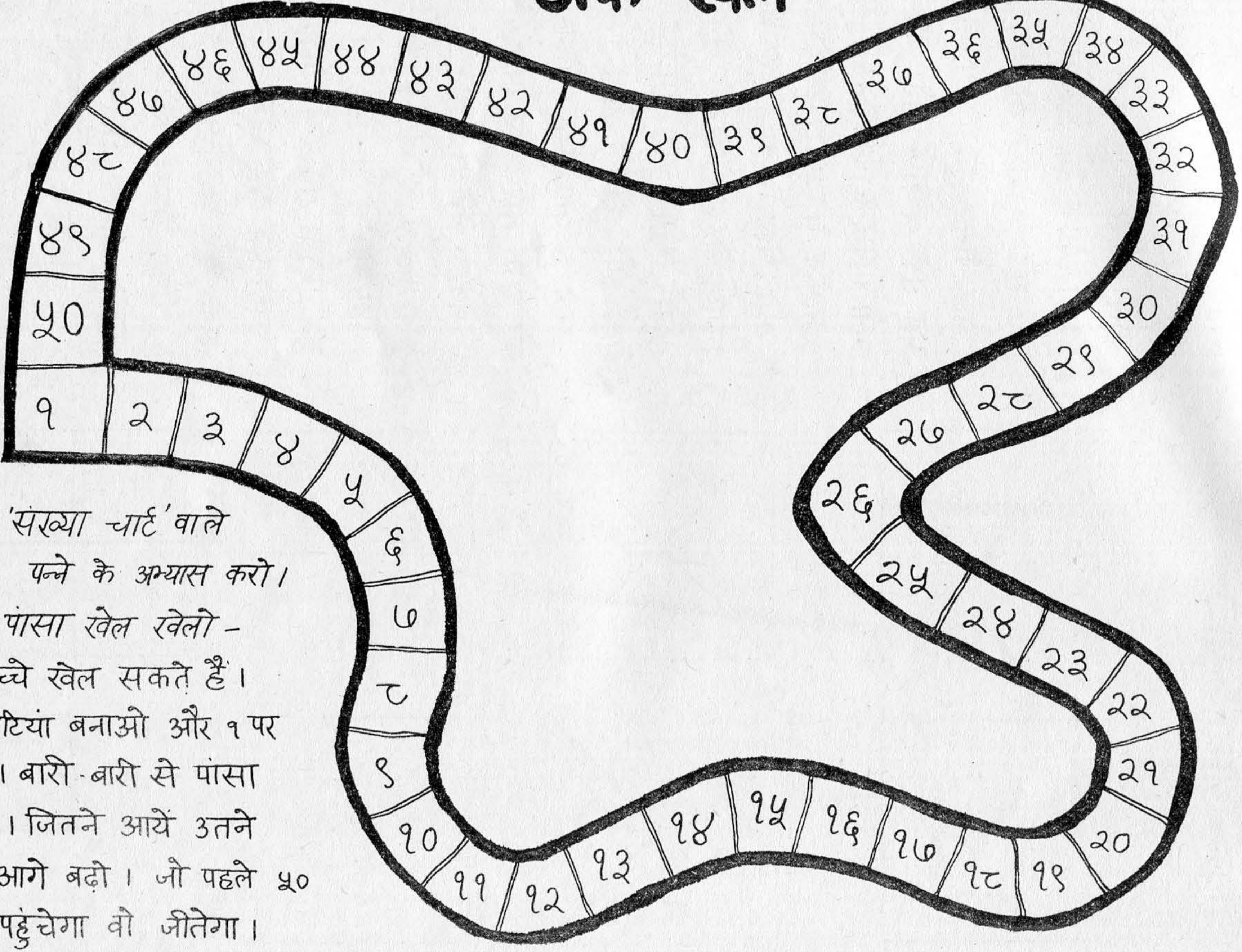

- 'संख्या चार्ट' वाले पन्ने के अभ्यास करो।
- पांसा खेल खेलो – दो बच्चे खेल सकते हैं। दो गोटियां बनाओ और १ पर रखो। बारी-बारी से पांसा फेंको। जितने आयें उतने घर आगे बढ़ो। जो पहले ५० पर पहुंचेगा वो जीतेगा।

क्या डूबा, क्या तैरा ?

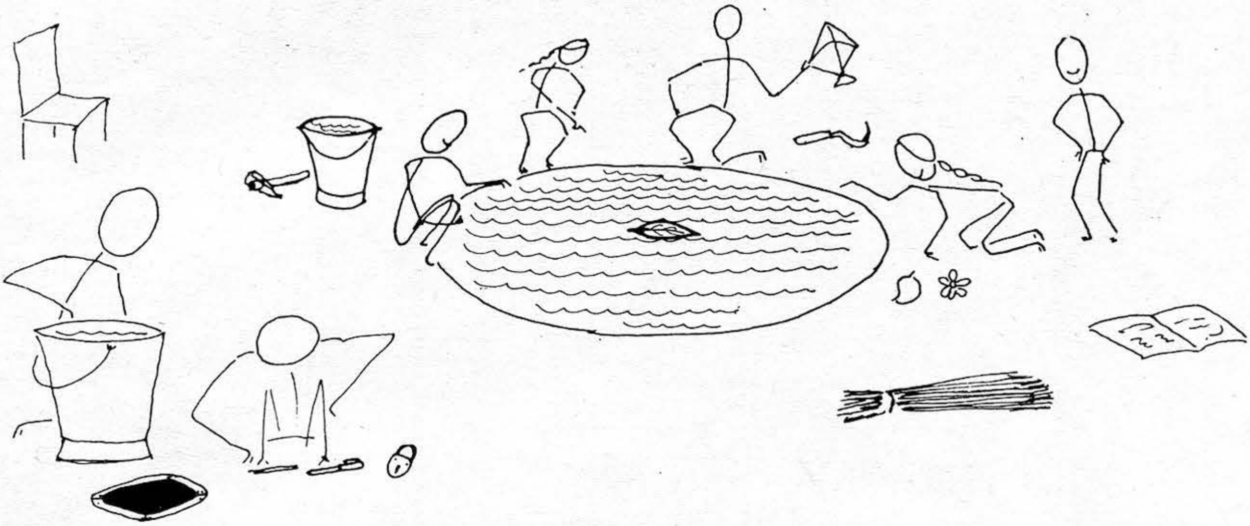

पानी पर तैरती है।

पत्ती

पानी में डूबती है।

ईंट

- चित्र कार्डों से छांटो – कौन सी चीजें तैरेंगी और कौन सी डूबेंगी।
- बाल्टी में आसपास की चीजों को डालकर देखो –
  क्या डूबा, क्या तैरा ?

उड़न-छू

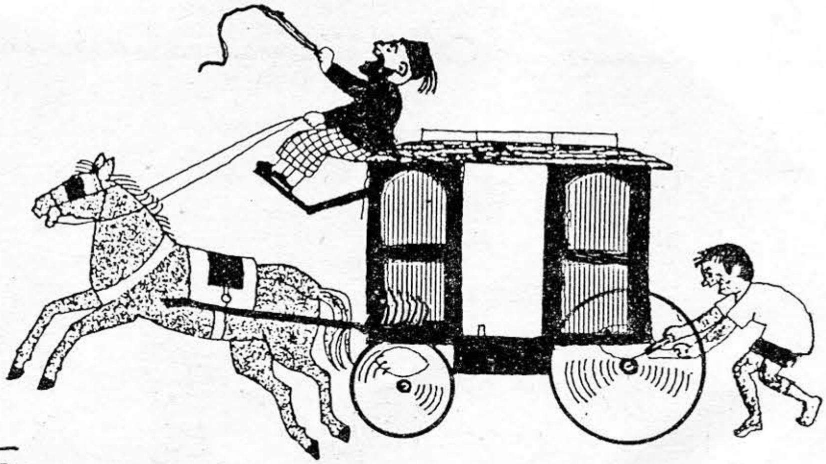

घड़, घड़, फट्टर, फट्टर।
नयीनयी आवाज निकाल
रहा था तांगे का पहिया। मटरू
मजे से पहिये में छड़ी फसाए दौड़ता जा रहा था।

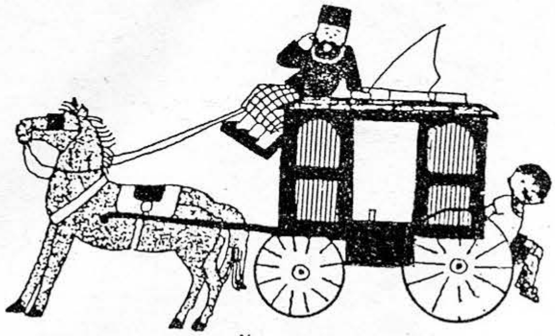

अचानक तांगा धीरे होना शुरू
हुआ। और फिर तांगा रूक गया। मटरू
उचककर तांगे के पीछे बैठ गया।

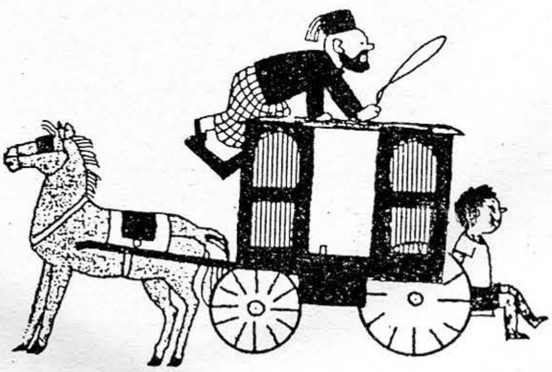

मटरू मजे से बैठा था। तांगेवाला
उसे देख तो सकता नही था। मटरू
बैठा तांगे के चलने का इंतजार
कर रहा था।

खिसक	उचक	सरक
लपक	फिसल	खा
आ	जा	खड़
दौड़	भागना	रूकना

तभी उसे लगा मानो तांगे की छत पर चलकर कोई पीछे आ रहा है। मटरू झट से तांगे के नीचे घुस गया।

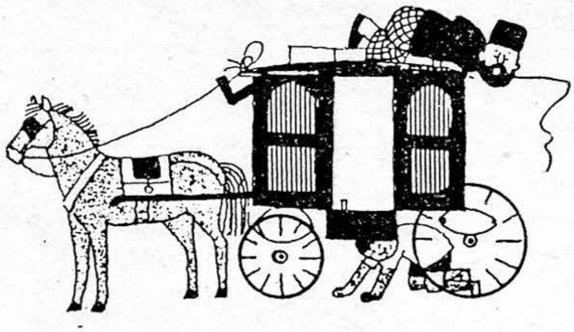

धीरे-धीरे खिसकते-खिसकते वह तांगे के नीचे तक जा पहुँचा और चलाने वाले की जगह पर चढ़कर बैठ गया।

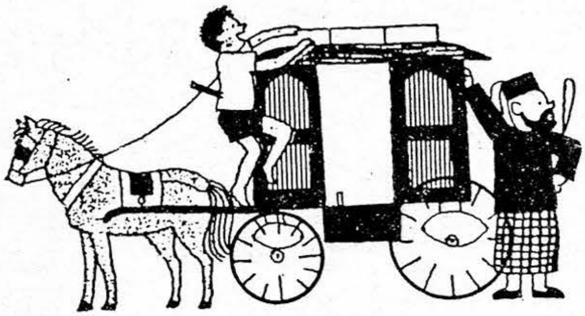

बैठते ही घोड़े की लगाम थामी और लगाई उसे एक चाबुक। तांगा हवा से बातें करने लगा। और तांगेवाले चाचा, वे तो अभी भी वहीं खड़े चिल्ला रहे हैं।

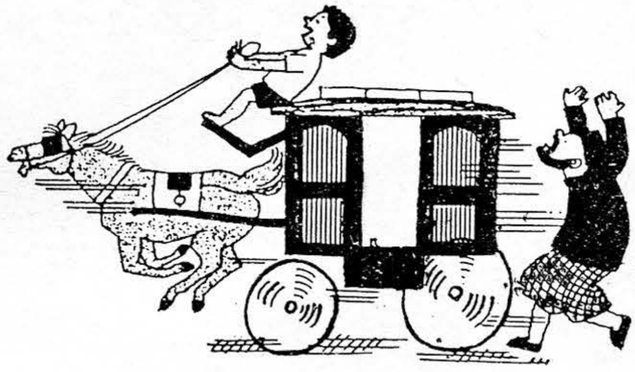

- तांगा क्यों रुक गया ?
- तांगे वाले चाचा पीछे क्यों गए ?
- मटरू तांगे के नीचे क्यों घुसा ?
- तांगा चले जाने के बाद चाचा ने क्या किया होगा ?
- मटरू तांगे का क्या करेगा

जोड़ो घटाओ और रंग भरों

जहाँ पर उत्तर २ आता है उस खाने में लाल रंग करो। जहाँ उत्तर ४ आता उसे हरा करो। जहाँ ५ आए उसे पीला और जहाँ ६ उत्तर आए वहाँ नीला रंग करो।

८−६= ५+१= १+१= ५−१=

२+३= ४+२= ५−३= २+२= ६−१=

८−२= ६−४= ३+१= ३+२=

२+४= ७−५= ८−४= ७−२= १+५=

४−२= १+३= ४+१= ७−१=

७−३= ९−४=

• ऐसे और सवाल स्लेट पर करो।

तारे और गुब्बारे

पकड़ो रास्ता, ढूंढो खाली घर।
बनाओ चित्र जैसा है ऊपर ।

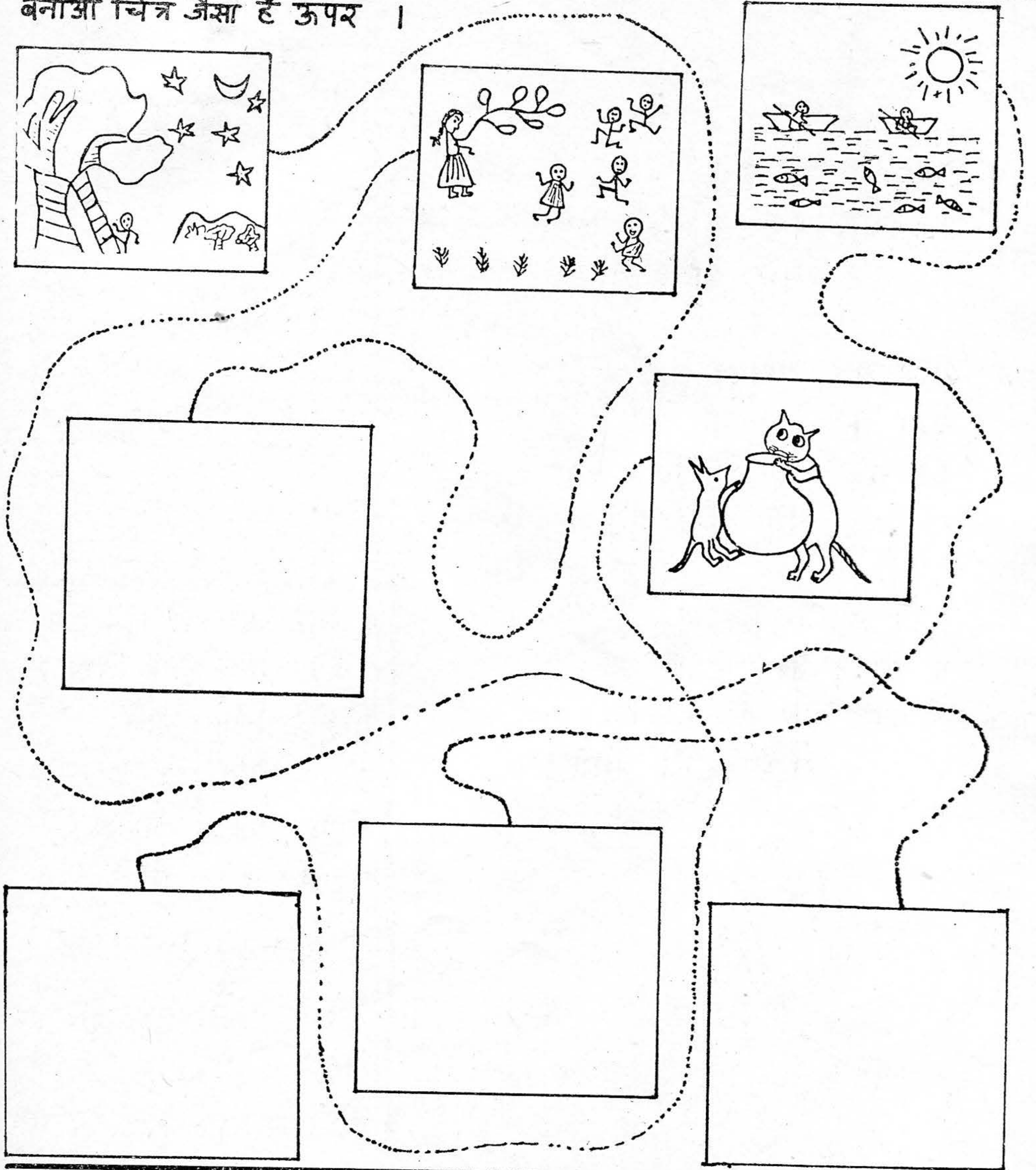

रज्जू
और
कद्दू

रज्जू के बेटे ने
मिट्टी के ढेरों में
कद्दू के कई बीज
बोये बोये बोये ।

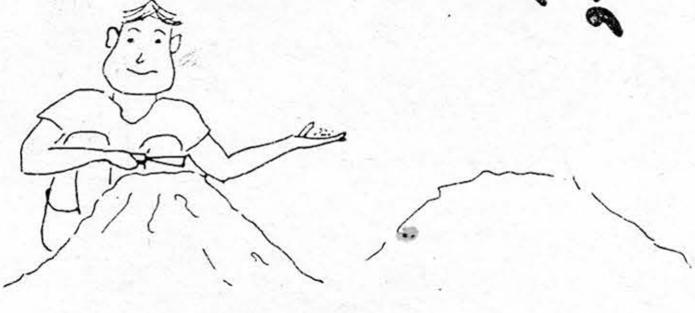

रात का अंधेरा था
चूहों का डेरा था
दो चूहे बीज खाने
गये गये गये ।

सुबह को न ढेर थे
न कद्दू के बीज थे
दो चूहे मोटे हो के
सोये सोये सोये ।

- *उसी अक्षर से शुरू होने वाला दूसरा शब्द लिखो।*

मालू - भागा	बीज ....
सोनू - सोया	कद्दू ....
धोती - धोई	खाना ....
चावल - चुना	गाना ....

- *आगे बढ़ाओ -*

ढेर	चार	चोर
बेर	....	....
सेर	....	....

कविता प्रतिभा नाथ की है।

भाग

(इसका निशान है ÷)

बाहर से कंकर, बीज, चिए या चूड़ी के टुकड़े ले आओ। १५ कंकर गिन लो। पट्टी या फर्श पर ५ गोले बना लो। एक-एक कंकर उठाते जाओ और ५ जगह बारी-बारी से रखते जाओ। हर एक जगह पर जमा हो रहे कंकर एक भाई के हैं। जब सभी १५ कंकर ५ ढेरियों में बंट जाएं तो हर ढेरी के कंकर गिनो। इसी तरह हर सवाल के साथ करो।

- १५ लड्डुओं को ५ भाइयों में बराबर बांटो। हर एक को कितने मिले?

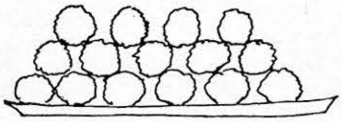

______ ______ ______ ______ ______

मोहन सोहन राजू श्याम राम

१५ ÷ ५ =

- ६ केले हैं और २ बंदर। दोनों में बराबर बांटो। किस को कितने मिले?

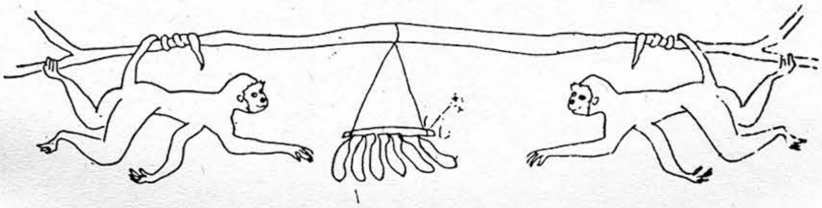

६ ÷ २ =

- ८ फूल २ तितलियों को बराबर-बराबर बांटने हैं। हर तितली को कितने फूल मिलेंगे?

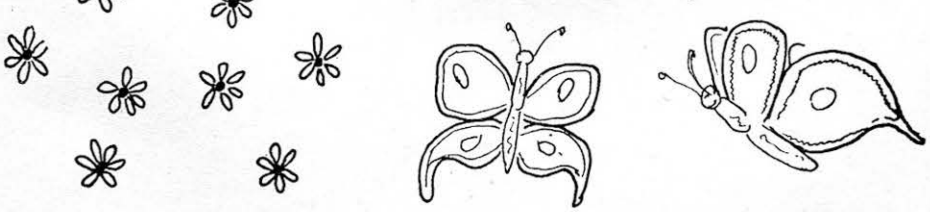

८ ÷ २ =

- १० आम और २ लड़कियां। हर लड़की को कितने आम दोगे?

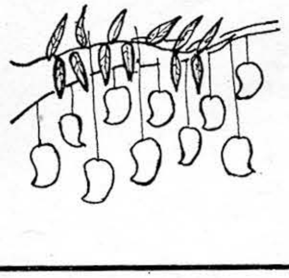

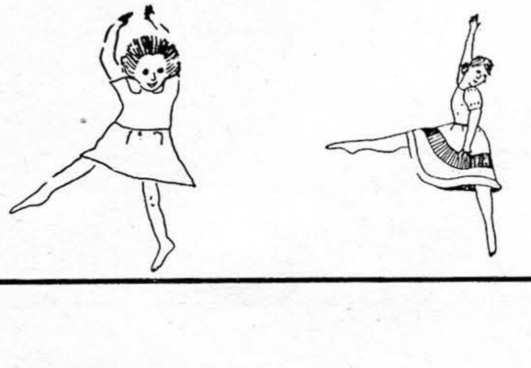

टिल्लू मुन्नी हर कार्ड पर एक चित्र और उसका नाम लिखा है। हर कार्ड का एक नम्बर भी है। कार्डों को अलग-अलग तरह से जोड़ कर बहुत से वाक्य बनते हैं। एक वाक्य मैंने बनाया है। आगे लाइनों में संख्या देखकर अपने वाक्य लिखो।

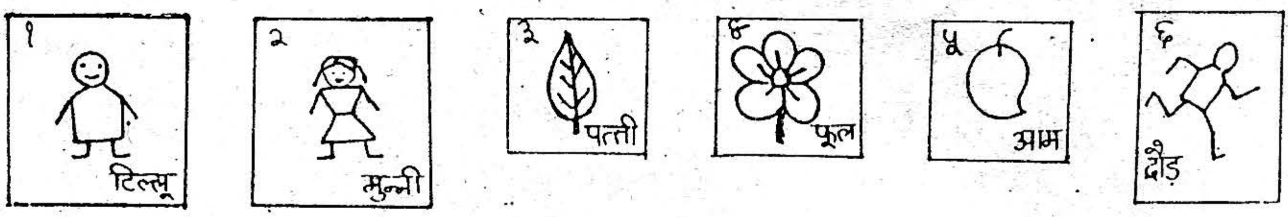

१० रहा है।	११ रही है।
१२ देता है।	१३ देती है।
१४ रहा, था।	१५ रही थी।

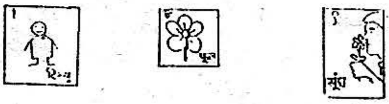

१० रहा है।

टिल्लू फूल सूंघ रहा है।

१५ रही थी।

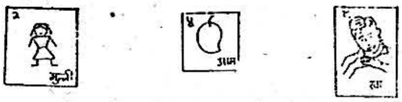

११ रही है।

---

१४ रहा था।

इन अंकों के शब्द और चित्र ढूंढो। ढूंढ कर इनसे अगले पन्ने पर वाक्य बनाओ।

१	३	७	१२
२	५	९	१५
१	६		१०
२	४	९	११
१	४	९	१४
२	५	७	१५
२	५	८	११
२	५		१३

दिशा पहचान

नाना जी मैं कैसे जानूं
चार दिशा कैसे पहचानूं ?
नाक की सीध में होता क्या?
पीठ की ओर में होता क्या?
सीधे हाथ और उल्टे हाथ,
दिशा न होती साथ साथ।
नाना जी मैं कैसे जानूं,
चार दिशा कैसे पहचानूं ?

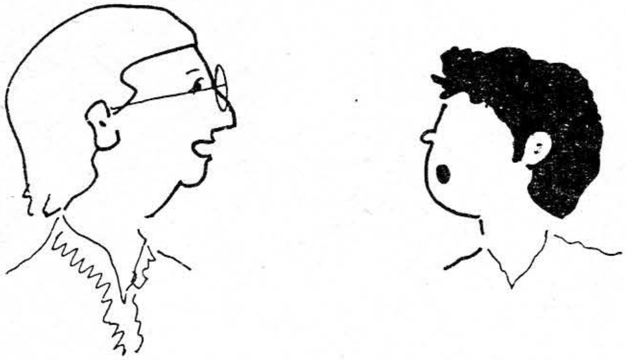

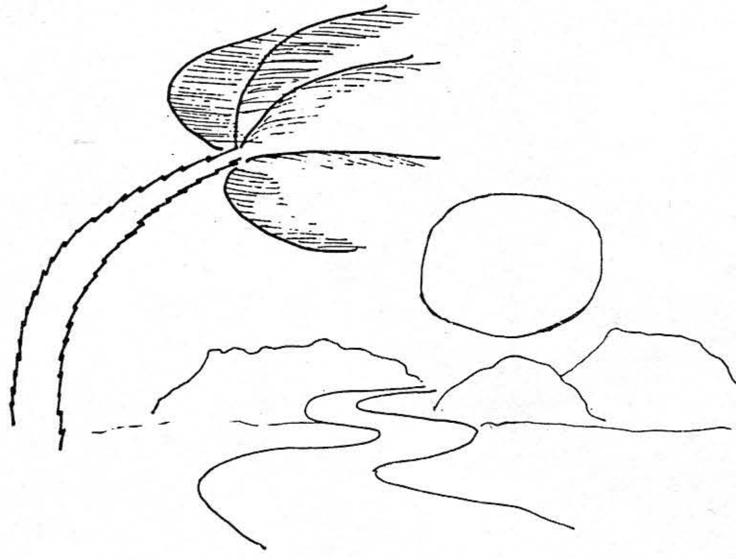

अरे, मेरे बेटे बबुआ,
नहीं आता तो क्या हुआ।
नाक की सीध पर सूरज उगे,
पीठ की ओर पे जाकर डूबे।
सीधे हाथ से आती हवा,
उल्टे हाथ पर जाती हवा।
दिशा न आती तो क्या हुआ
तू तो मेरा प्यारा बबुआ।

नाना जी	नानी जी	------	दादी जी
चाचा जी	------	------	मामी जी
काका जी	------	------	मौसी जी

बंडल-सींक का जोड़

एक बंडल में १० सींक हैं। गिनते गिनते जब भी १० सींक हो जाएं तो उनका १ बंडल बना लेना। बाकि सींक अलग गिनना। हर बार गिन कर पता करना कि कितने बंडल हुए और कितनी सींक।

|||||| और ||||||| बराबर |||

.... सींक + ---- सींक = १३ सींक

1 बंडल ३ सींक

||||| और |||| बराबर

.... बंडल .... सींक + ... सींक ...... बंडल ..... सींक = ...सींक

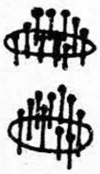 |||| , और || बराबर 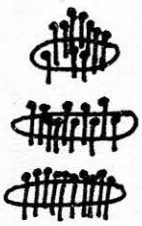 ||||||

= --- सींक

२ बंडल ४ सींक + १ बंडल २ सींक = ---- बंडल ---- सींक

|||||| और |||||||| बराबर ||||

..... सींक + ... सींक = ... बंडल ...... सींक

|||||| और |||| बराबर

☆ ऐसे और भी सवाल पट्टी पर करो।

• सींक लेकर बंडल बनाओ। इनसे ऐसे और भी अभ्यास बनाओ- करो। टीम बनाकर एक दूसरे के लिए सवाल बनाओ और हल करो।

एड़म एड़ भई एड़म एड़, जाने कैसा है ये पेड़ ।

एक बार एक जंगल में अजीब पेड़ उगा । उसके फूल लाल थे, फल पीले और पत्तियां नीली। उसके हर फूल में पांच पंखी थीं। और फल दो-दो की जोड़ी में ही होते थे। हर टहनी पर पांच जोड़ी पत्तियां थीं, यानि हर टहनी में दस पत्तियां । इसी पेड़ का चित्र नीचे दिया है।

• *इसके अनुसार पेड़ में रंग भरो।*

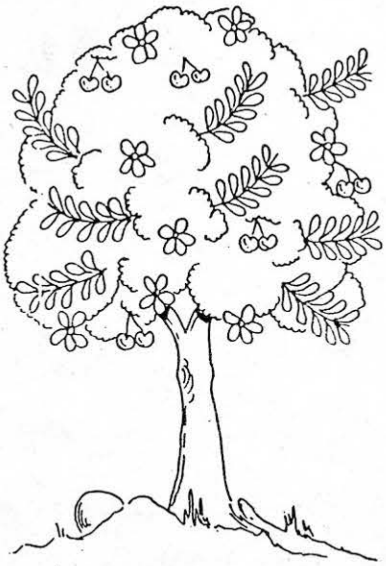

एक फूल में ...... पंखी हैं। १ x ५ =

दो फूलों में ...... पंखी हैं। २ x ५ =

में ...... पंखी हैं। ४ x ..... =

एक टहनी में ...... पत्तियां हैं। ..... x ..... =

में ...... पत्तियां हैं। ..... x ..... =२०

एक गुच्छे में ...... फल हैं। ..... x ..... =

• *तो बताओ...*

पांच फूलों में कितनी पंखी? ..... x ..... =

तीन टहनियों में कितनी पत्तियां? ..... x ..... =

आठ गुच्छों में कितने फल? ..... x ..... =

१ फूल	२ फूल	३ फूल	४ फूल	५ फूल
५ पंखी	१० पंखी	१५ पंखी	२० पंखी	२५ पंखी
६ फूल	७ फूल	८ फूल	९ फूल	१० फूल
३० पंखी	३५ पंखी	४० पंखी	४५ पंखी	५० पंखी

• *क्या तुम ऐसी तालिकाये पत्तियों और टहनियों के लिये बना सकते हो? फल और गुच्छों के लिये भी स्लेट पर तालिका बनाओ।*

• *पांच पंखी वाले कौन-कौन से फूल तुम्हारे गांव में उगते हैं? ऐसे कुछ फूल लाकर तालिका जांचो।*

साथी ढूंढो

✧ हर लाइन में पहले चित्र जैसा एक ही है। उसे पहचानकर उसमें नाम लिखो।

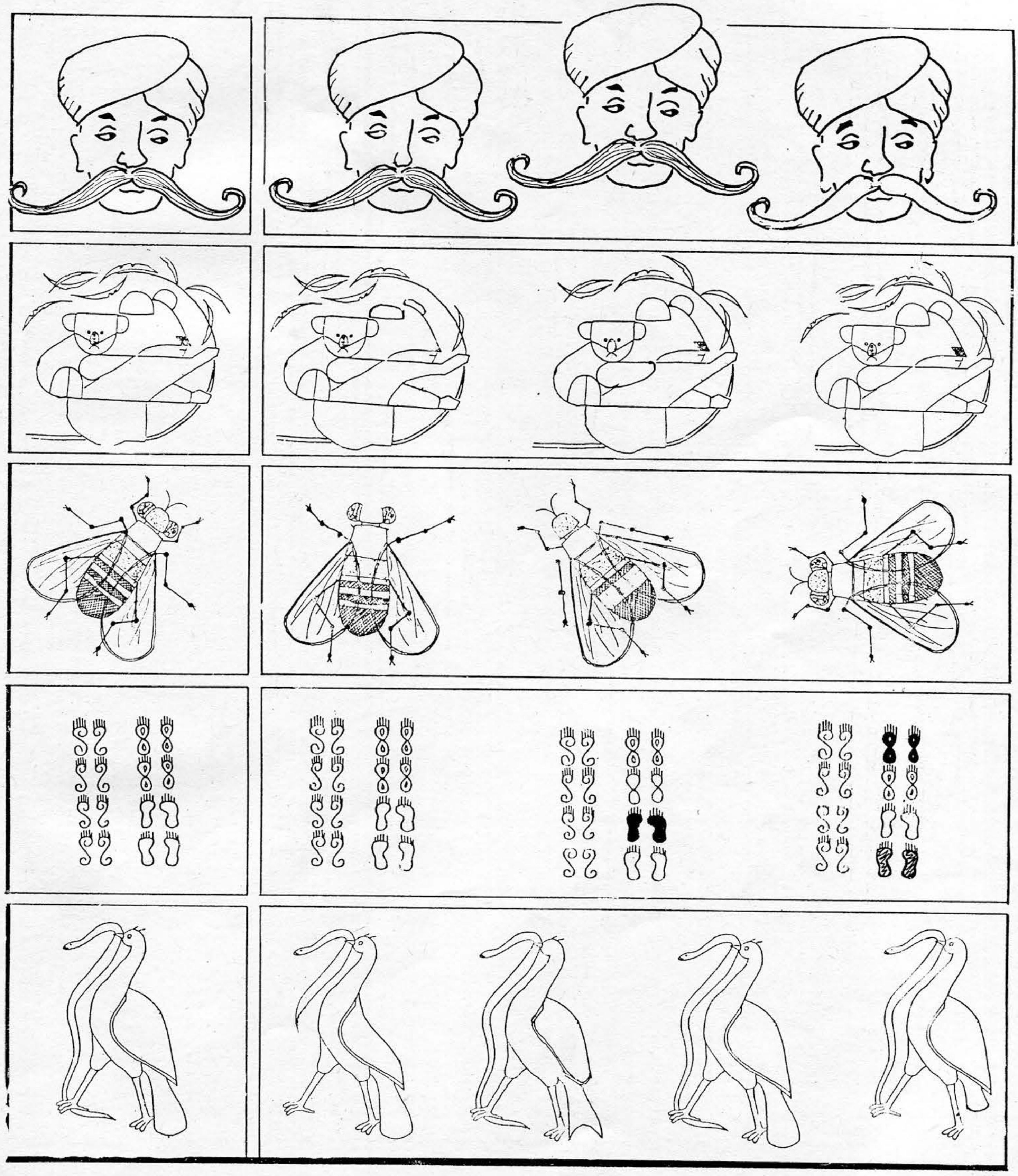

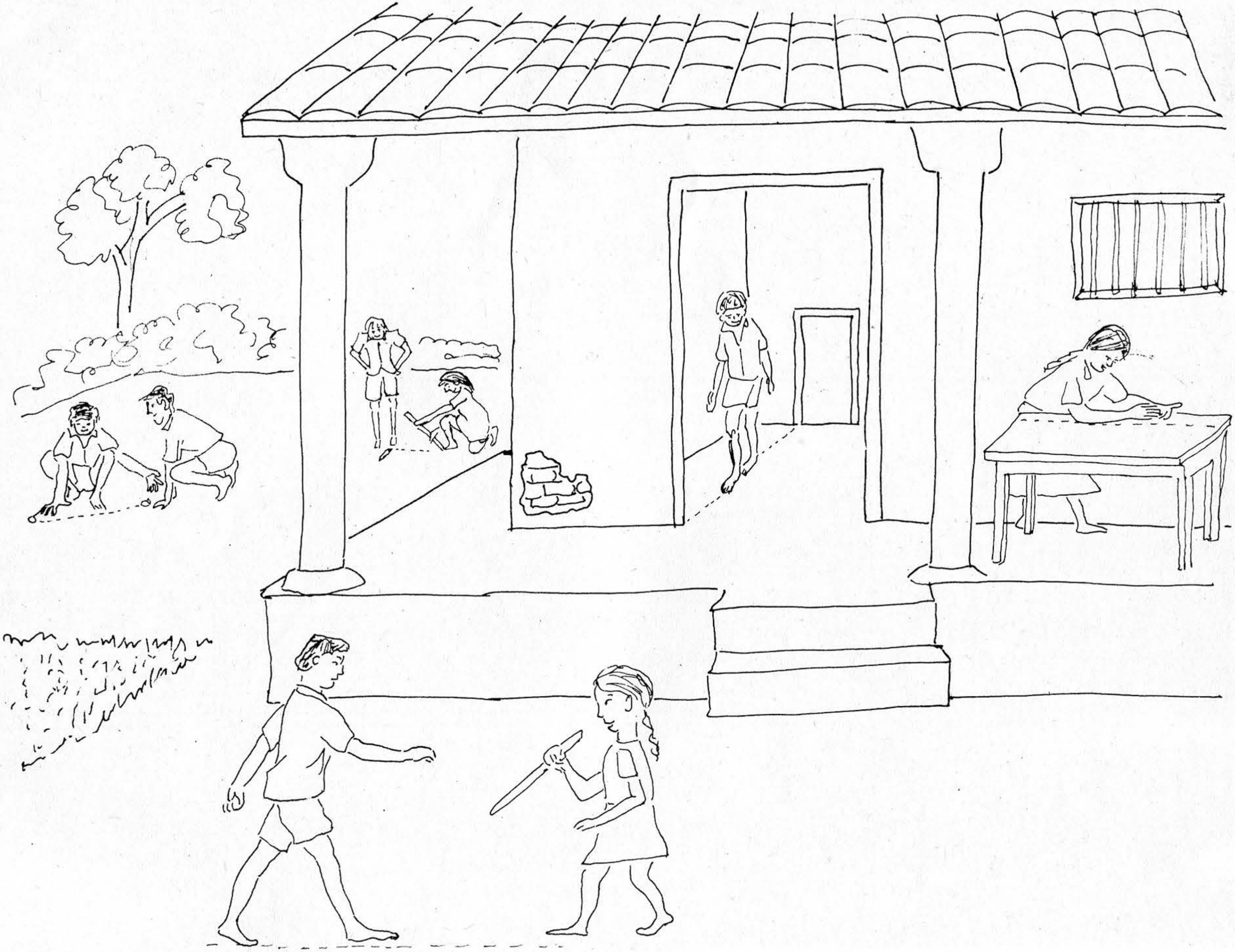

नपाई

आज हम स्कूल में नपाई करेंगे। शुरू करने से पहले अंदाजा लगाओ कि बरामदा कितना लंबा है ? अगर तुम एक सिरे से दूसरे सिरे तक चल कर जाओ तो कितने कदम बनेंगे ? चलो बरामदे के एक छोर से दूसरे छोर तक चल कर देखते हैं। कितने कदम बने ?

टेबिल, तख्ते, कुर्सी जैसी चीजों को कदमों से तो नहीं नाप सकते। इन्हें किससे नापें ? किसी और चीज़ से से नाप सकते हैं क्या ?

इन्हें बित्तों और अंगुल से नापो। स्कूल की अन्य चीजें भी नापो।

नाप :-

टेबिल ______ बित्ते ______ अंगुल लंबा है।

तख्ता ______ बित्ते ______ अंगुल लंबा है।

बरामदा ______ कदम लंबा है।

बरामदा ______ कदम चौड़ा है।

मैदान ______ डंडे लंबा है।

• क्रम में लिखो। पहले सबसे लंबा।

मैदान

बरामदा

• ऐसे और वाक्य बनाओ। और चीज़ों के साथ।

मैदान बरामदे से लंबा है। बरामदा कक्षा से लंबा है।

पट्टी तख्ते से छोटी है। पट्टी माचिस से लंबी है।

• स्कूल की और चीजें भी नापो।

• घर में या खेलते समय तुम और किन चीजों से नापते हो ?

पारुल और चांद

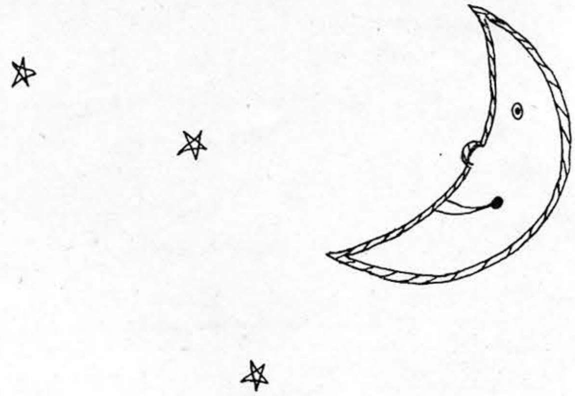

पारुल चलती चांद चलता,
चलता पारुल संग।
पारुल दौड़ी चांद दौड़ा,
दौड़ा पारुल संग।
पारुल ठिठकी चांद ठिठका,
ठिठका पारुल संग।
पारुल ठहरी चांद ठहरा,
ठहरा पारुल संग।

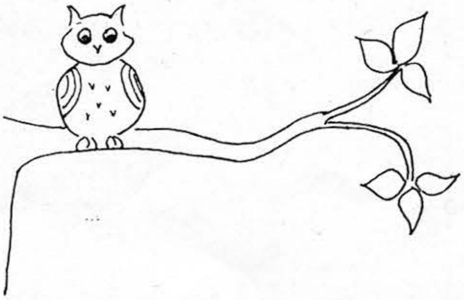

पारुल	चांद	सुरता	टिल्लू
दौड़ी	दौड़ा	दौड़ी	दौड़ा
चलती	चलता	....	....
ठिठकी	ठिठका	....	....
ठहरी	ठहरा	....	....
पकड़ी	....	....	....
गाती	....	....	....

तुम भी देखो कि
चांद तुम्हारे साथ
दौड़ता है या नहीं।

- तुम्हारे रुकने पर
रुकता है या नहीं?

कविता गुरबचन सिंह की है।

मौखिक हल करो...

सुरता के पास ५ आम थे। टिल्लू ने उसे दो आम और दिए। सुरता के पास अब कितने आम हैं?

मटरू के पास ४ बैल थे। कल्लू से उसने ५ बैल और लिए। उसके पास कुल कितने बैल हैं?

रानू के पास १५ गोटियां थीं। उसे ४ गोटियाँ और मिलीं। उसके पास अब कितनी गोटियाँ हैं?

राजू के पास ८ बकरियाँ थीं। उनमें से उसने ३ बेच दीं। उसके पास कितनी बकरियाँ बची?

बंदर १७ केले लाया। उसने ५ खा लिए। उसके पास कितने केले बाकि बचे?

लक्ष्मी ने १ रुपये के ५ के हिसाब से बिही खरीदे। उसे ६ रुपये में कितने बिही मिले?

आक्टोपस नामक समुद्री जीव की आठ बाहें होती हैं। इनसे ही यह मछली पकड़ता है। २ आक्टोपस की कितनी बाहें होंगी?

कक्षा में कुल १५ बच्चे हैं। इनमें से ७ पढ़ रहे हैं। बाकि शैतानी कर रहे हैं। कितने बच्चे शैतानी कर रहे हैं?

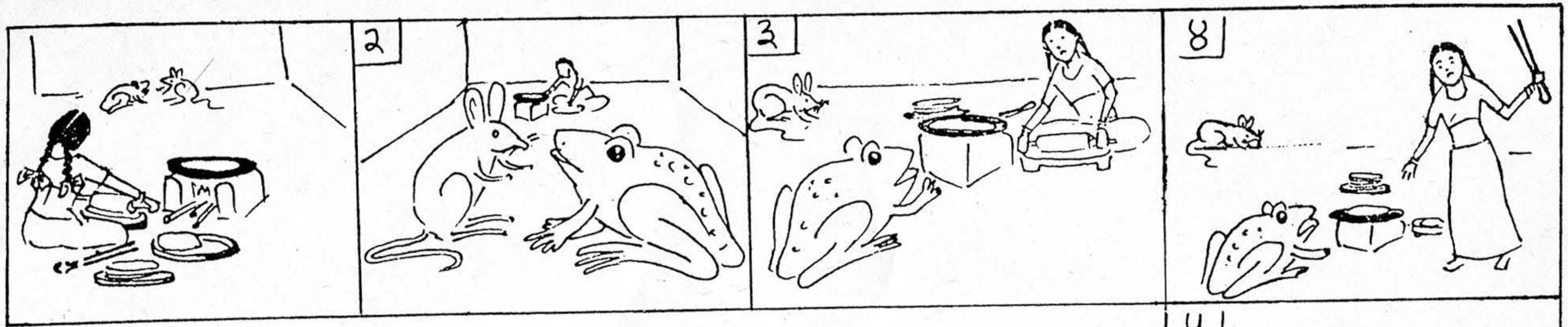

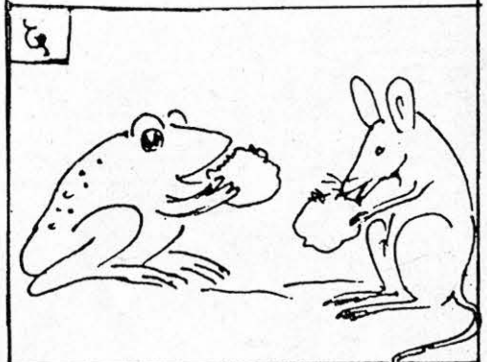

७ आगे...

- साथ के वाक्यों को क्रम में लिखकर कहानी बनाओ।

☐ लछमी ने गुस्से में चिमटा उठा लिया।

☐ रोटी देखकर चूहे और मेंढक ने एक चाल सोची।

☐ मेंढक ने जाकर लछमी से रोटी मांगी।

☐ मेंढक कूद कर बचा और चूहा रोटी ले भागा।

☐ लछमी रोटी बना रही थी।

- वाक्यों को सही चित्र से जोड़ो और उसका अंक लिखो।

कौन सी चीज़ कहाँ ?

शालू को बहुत सी चीज़ों के नाम आते हैं। उसने नामों को लिख-लिखकर पट्टी भर ली। वो नाम मैंने नीचे लिख दिये हैं। अब शालू ये सोच रही है कि किस नाम को किस खाने में लिखना है। क्या तुम उसकी मदद कर सकती हो? बाकी खानों में तुम खुद नाम सोचो और चुनकर सही जगह लिखो।

अक्षर	जानवर या पक्षी	पेड़ या पौधा	खाने पीने का सामान	खेल का नाम या सामान
ब	बकरी	बबूल	बेर	बल्ला
म	मगर	---------	---------	---------
क	---------	---------	ककड़	---------
ल	---------	---------	---------	लट्टू
प	---------	पीपल	---------	---------
ग	---------	---------	---------	गिल्ली
श	---------	---------	---------	---------

शालू की सूची

शक्कर, कबड्डी, महुआ, पपीहा, मार कुटाई, लोमड़ी, गुलाब-जामुन, शेर शीशम, ककड़ी, शतरंज, लजनी, कौसम, बल्ला, मगर, लड्डू, गाय, बेर, बबूल, पेड़ा, बकरी, पीपल, गिल्ली, कबूतर, पतंग, मसाला, गेंदा, लट्टू

- *ऐसे ही खेल तुम और अक्षरों के साथ खेल सकते हो। अलग तरह के खाने भी बना सकते हो – जैसे, ट से शुरू होने वाली गोल या लाल चीज़।*

चलो अभ्यास कर लें...

६ − २	२३ + १२	३ × २	८ − ३
१५ + १२	२२ − ११	९ − ३	४ + ५
१४ + ११	५ × २	५ + ५	३ × ५
६ + ३	५ − ३	७ − ६	९ − ६
८ + २	४ − २	४ × २	४ × ५

- ऐसे और भी सवाल करो पट्टी पर, कापी पर धूल पर।

☆ अपने दोस्त के लिए और सवाल बनाओ। उसके बनाए सवाल तुम करो।

२५ − १३	२ × १०

झूलेवाला

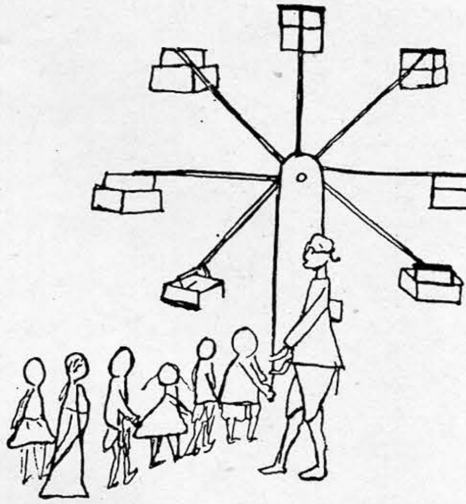

एक बार एक गांव में एक झूलेवाला आया। उसके पास एक बहुत बड़ा झूला था। उस झूले में आठ पालकियां थीं। झूला चलता तो पालकियां गोल-गोल घूमतीं।

देखते-देखते वहां बहुत से बच्चे इकट्ठे हो गये। सब झूलना चाहते थे। झूलेवाले ने उनकी लाईन बनवा दी। बच्चे लाईन से झूले में बैठने लगे।

एक पालकी में पांच बच्चे बैठ सकते थे। झूला जब भर गया तो झूलेवाले ने बाकि बच्चों को रोक दिया। पहली पाली के बच्चे जब झूलकर उतरे तो फिर लाईन आगे बढ़ी।

पर यह क्या? झूलनेवालों का तो मन ही नहीं भरा। वे फिर से लाईन में लग गये। बस, झूलेवाला झुलाता रहा और बच्चे झूलते रहे। अभी भी शायद कोई उस गांव में जाये तो झूला चलता हुआ पायेगा।

- *झूले के बारे में कुछ सवाल*
  - झूले में एक बार में कितने बच्चे झूल सकते थे?

    ८ x ५
  - जब ४ पालकियां भरीं थी तो झूले मे कितने बच्चे थे?

शाम का समय है। गांव मे धीरे-धीरे हलचल बढ रही है। दिन भर के बाद लोग घर लौट रहे हैं।

बिसनू ढोर लेकर लौट रहा है। मुनिया और उसका पति खेत से आ रहे हैं। डाकिया बाबू साइकिल से लौट रहे हैं। कल्लू मल्लाह अपनी नाब वापिस ला रहा है। उधर जगल से कलसो और लखन चले आ रहे हैं। और सड़क पर सुक्कू चचा अपनी बैलगाड़ी में आ रहे हैं। उन्होंने आज बाजार में घड़े बेचे हैं।

सुखवती ने तो अभी से ही खाना बनाना शुरू कर दिया है। पर लछमी और सुरता अभी तक पानी ला रही हैं। टिल्लू मुन्नी नदी गये हैं। बिजना की मां और उनकी सहेलियां घर के बाहर बैठ कर बात-चीत कर रही हैं। बिजना तो अभी तक झूला झूल रही है। और एक चूड़ी वाले को चूड़ी बेचते हुए देख रही है। पास ही बड़ के नीचे बड़े-बूढ़े बात-चीत कर रहे हैं।

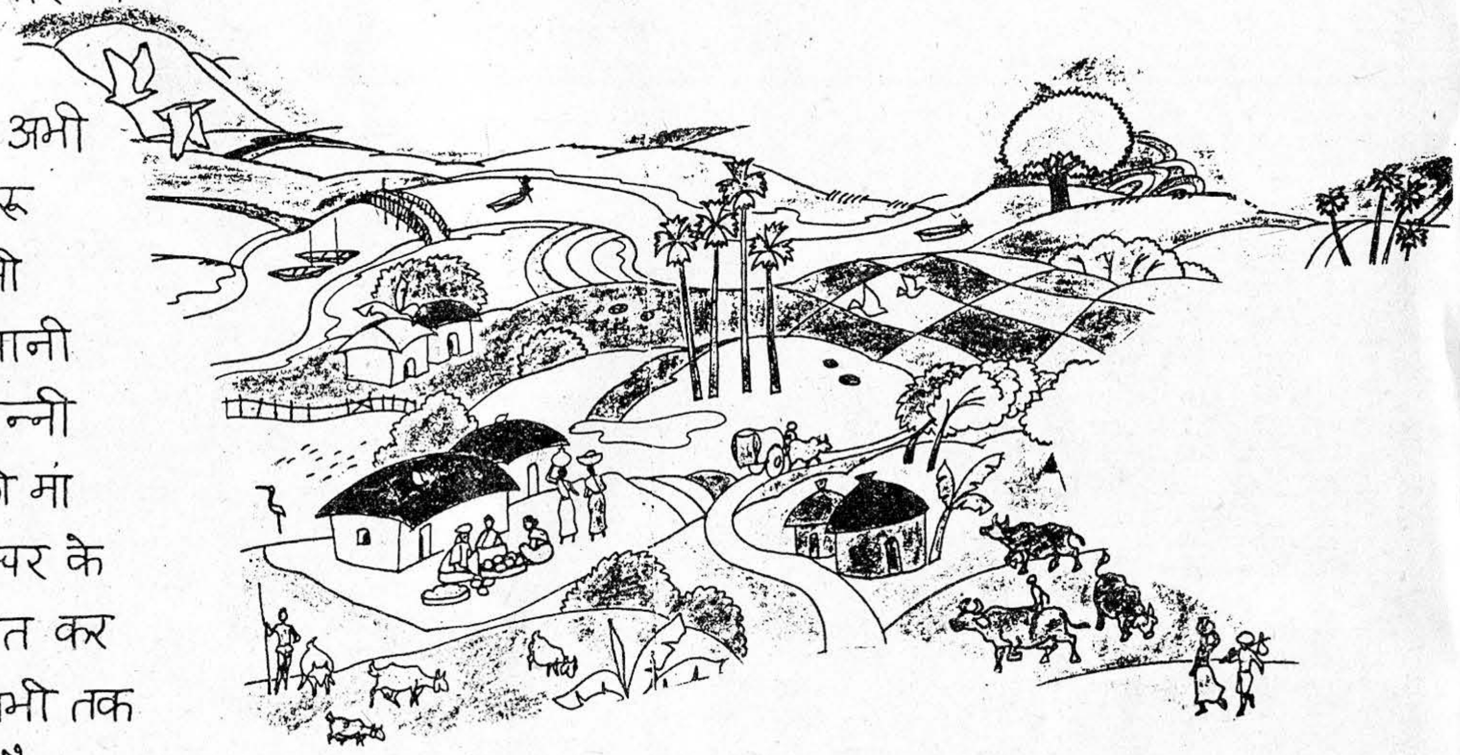

• इस चित्र में चीजें पहचानो। जो छूट गया है उसे बनाकर चित्र पूरा करो।

• खाली जगह में अपने गांव या मोहल्ले का चित्र बनाओ।

• बातचीत करो –

- तुम्हारे गांव या मोहल्ले में शाम को क्या-क्या होता है?
- यहां पर दिखाई गई चीजों को देखो। इनमें से क्या-क्या तुम्हारे यहां भी है? और क्या-क्या तुम्हारे यहां नहीं है? जो नहीं है उस पर गोला लगाओ।

बूजो ने खाया गुड़

बूजो बंदरिया बड़ी ही नटखट थी। एक दिन वह नाई से बोली - "नाई, नाई! मेरा सिर मूँड दो।"

नाई ने सिर मूंड दिया तो बूजो उसका उस्तरा लेकर भाग गई। नाई चिल्लाया - अरी बूजो, मेरा उस्तरा कहाँ ले जा रही हो?

बूजो बोली -
'मेरे बाल तेरे पास
तेरा उस्तरा मेरे पास।

आगे जाकर बूजो को एक घसियारा मिला। वह घास छील रहा था।

बूजो ने उस्तरा फेंक दिया और घास उठा कर भाग गई। घसियारे ने आवाज दी - यह क्या बूजो?

बूजो बोली -
'मेरे बाल नाई के पास
नाई का उस्तरा तेरे पास
तेरी घास मेरे पास।'

भागते भागते बूजो
को एक बनिया मिल गया।
उसके पास गुड़ था।
बूजो ने घास फेंकी और
गुड़ लेकर भाग खड़ी हुई।
बनिया चिल्लाया –
बूजो ? बूजो ?

बूजो बोली –
मेरे बाल नाई के पास
नाई का अस्तरा घासी के पास
घासी की घास तेरे पास
तेरा गुड़ मेरे पास।

यह कह कर बूजो
गुड़ खाने लगी।

- *नीचे से चुनकर भरो –*

  बूजो .... थी।

  उदास, खुश, नटखट, चतुर
  बहादुर, बेवकूफ, डरपोक

- *सही जोड़ी बनाओ –*

नाई	घासी	बनिया	किसान
हंसिया	तराजू	अस्तरा	हल

बूजो के बाल	बाल दिये	अस्तरा लिया
नाई का अस्तरा	अस्तरा दिया	.... ली
घासी की घास	....	....
बनिये का गुड़	....	....

◊ बूजो ने घासी को क्या दिया ?

◊ बूजो ने बनिये से क्या लिया ?

- *कहानी सब को सुनाओ।*
- *ऐसी और कहानियां ढूंढो, बनाओ और सुनाओ।*

कुछ और मौखिक सवाल......

एक मधुमक्खी ने ४ सेमल और ५ टेसू के फूलों से रस लिया। फिर वह छत्ते की तरफ उड़ गई। उसने कुल कितने फूलों से रस लिया?

विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र
पुस्तकालय
क्रमांक.......
दिनांक.......
उदयपुर (राज.)

१० बच्चे मिट्टी के खिलौने बना रहे थे। हर बच्चे ने १ हाथी और १ चूहा बनाया। सभी ने मिलकर कुल कितने जानवर बनाए?

गबरू पुस्तकालय की किताब पढ़ रहा था। उसने तब तक १२ पेज पढ़े थे। किताब में २५ पेज हैं। गबरू को कितने पेज और पढ़ने हैं?

राहुल के पास ६ कंचे हैं। शेरू के पास उससे दुगने कंचे हैं। दोनों के पास कितने कंचे हैं?

रमा के पास २० सिक्के हैं। रेणु के पास रमा से आधे सिक्के हैं। रेणु के पास कितने सिक्के हैं?

गुरुजी ने ४ बच्चों को देर से आने के लिए डाटा, ४ और बच्चों को शोर मचाने के लिए गुरुजी से डांट पड़ी। गुरुजी ने कुल कितने बच्चों को डांटा?

गुरुजी रंगीन पेंसिल के ५ डिब्बे लाए। हर डिब्बे में ६ पेंसिल हैं। गुरुजी के पास कुल कितनी पेंसिल हैं?

• ऐसे और भी सवाल करो। अपने दोस्त के लिए सवाल बनाओ भी!..

बाज़ जो कि मानता है कि वो जंगल का राजा है। क्योंकि वो ज्यादा दूर तक देख सकता है।

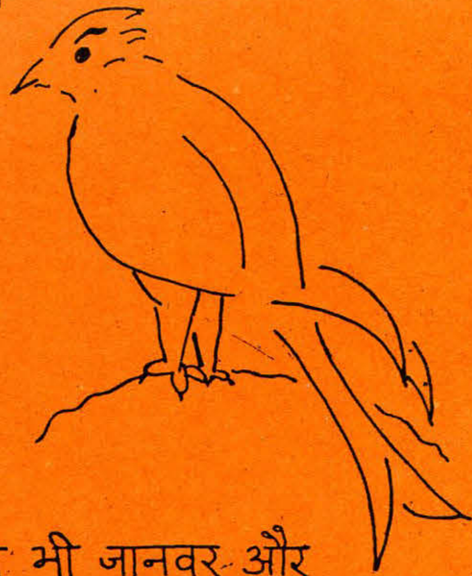

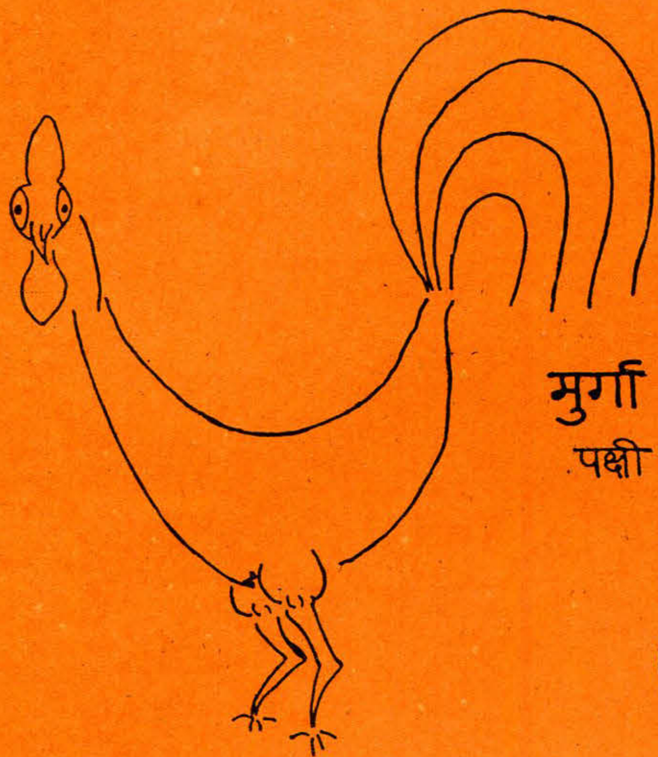

मुर्गा जो किसी भी जानवर और पक्षी की आवाज़ निकाल सकता है।

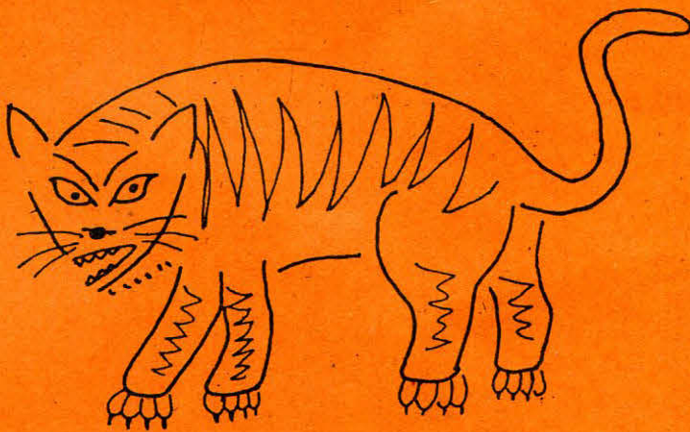

मोर जो हमेशा अपने आप को सजाता संवारता रहता है।

गपड़म - घबरालू शेर। सब लोग उसका नाम लेते ही हंसते हैं - हो, हो, हो।

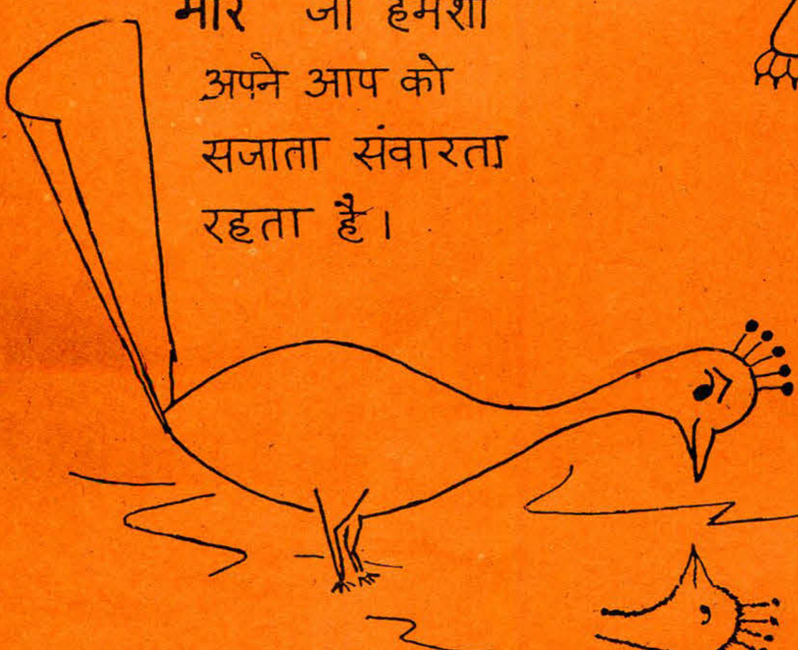

विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र
पुस्तकालय
क्रमांक..........
दिनांक..........
उदयपुर (राज.)